हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 30 जुलाई 2026

कलेक्टर-एसएसपी ने किया निरीक्षण

कैदी जेल के फायर प्लांट में कूद गया!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

केंद्रीय जेल में दोहरे हत्याकांड में सजा काट रहे कैदी ने जलते गैसीफायर प्लांट में कुदकर खुदकुशी कर ली है। सनसनीखेज वारदात ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसएसपी ने जेल पहुंचकर मौके का निरीक्षण कर जेल अधीक्षक से घटना की जानकारी ली। जांजगीर चांपा बम्हनीडीह निवासी राहुल उर्फ विकेश कंवर 46 साल दोहरे हत्याकांड के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसे जेल में सजा काटते 10 साल हो गए थे। बताया जा रहा है कि 29 जुलाई को शाम 4 बजे कैदी राहुल उर्फ विकेश दौड़ते हुए किचन में आया और जलते हुए गैसीफायर प्लांट में कूद गया। किचन में मौजूद कैदियों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन प्लांट अत्यधिक गर्म होने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद जेल में हड़कंप मच गया और तत्काल सायरन ▶▶| शेष पेज 6 पर

खुदकुशी की है

हत्याकांड के सजायाप्ता कैदी ने गैस फायर में कूदकर खुदकुशी की है। मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-संजय अग्रवाल, कलेक्टर

केन्द्रीय कमेटी सदस्य मोस्ट वाटेंड नक्सली को झारखंड में गिरफ्तार किया गया

नक्सलियों का आखिरी बड़ा नेता मिसिर बेसरा कब्जे में दो करोड़ से ज्यादा का था इनाम, बीजापुर में 8 का समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के एक करोड़ रुपए से अधिक के इनामी केन्द्रीय कमेटी मेंबर मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर उर्फ सुनिर्मल समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। बेसरा को नक्सलियों का अंतिम सबसे बड़ा सक्रिय लीडर माना जाता है। सुरक्षा एजेंसियां सभी गिरफ्तार ▶▶| शेष पेज 6 पर

टाटा मैजिक वाहन में सवार होकर धनबाद से गिरिडीह जाने के दौरान पकड़े गए

बस्तर से भी रहा संबंध

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक मिसिर बेसरा का बस्तर से भी गहरा संबंध रहा है। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी और पूर्वी क्षेत्रीय नेटवर्क के बीच समन्वय स्थापित करने, कैडरों को प्रशिक्षण देने, हथियार आपूर्ति और बड़े हमलों की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाता ▶▶| शेष पेज 6 पर

पांच महिलाओं समेत 8 ने डाला हथियार

मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के साथ ही छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में झारखंड में सक्रिय रहे 8 नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 5 महिला माओवादी भी शामिल हैं। ▶▶| शेष पेज 6 पर

गुरु पूर्णिमा पर दर्शन कर बागेश्वरधाम से लौट रहे थे, कमर और हाथ में आई हैं चोटें

एक वाहन को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

भाजपा अध्यक्ष की कार ट्रक में घुसी झांसी अस्पताल में चल रहा इलाज

छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के झांसी-ललितपुर हाईवे पर उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में उन्हें कमर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बताया जा रहा है कि किरण सिंह देव बागेश्वर धाम से लौट रहे थे, तभी झांसी-ललितपुर मार्ग पर उनकी कार अनियंत्रित होकर एक ट्रक के पीछे हिस्से में घुस गई। दरअसल, एक वाहन को बचाने के चक्कर में उनकी कार ट्रक के पीछे जा घुसी। हादसे में उनकी कमर और हाथ में चोटें पहुंची हैं। हादसे के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उनका ▶▶| शेष पेज 6 पर

बैज ने की दीर्घायु जीवन की कामना

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव की सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना पर गहरा दुख प्रकट करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने और दीर्घायु जीवन की कामना की है।

सीएम ने की कुशलता की कामना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना मिली। उनका इलाज झांसी मेडिकल कॉलेज में चल ▶▶| शेष पेज 6 पर

राहुल के भाषण पर चली कैंची

लोक परीक्षा बिल लोकसभा में पास, चर्चा के दौरान कांग्रेस के वार पर भाजपा का पलटवार

संसद में 'इडियट' और 'अंधभक्त' पर संग्राम

राहुल बोले- गृहमंत्री ने दी थी हिंसक कार्रवाई की इजाजत, सरकार बोली- सबूत दें या माफी मांगें

'इडियट' शब्द बोलने पर स्पीकर ने 11 बार रिजिजू ने 7 बार टोका

लोकसभा में बुधवार को 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोपों से सदन में तीखा हंगामा हुआ। सत्तापक्ष ने राहुल गांधी के आरोपों का कड़ा विरोध करते हुए उनसे माफी की मांग की, जबकि विपक्ष ने सरकार से छात्रों पर बलप्रयोग के आदेश को लेकर जवाब मांगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई को लेकर बुधवार को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए, जिसका सत्तापक्ष ने तीखा विरोध किया और उनसे माफी की मांग की। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बताएं कि किस आधार पर उन्होंने देश के एक जिम्मेदार व्यक्ति पर गंभीर आरोप ▶▶| शेष पेज 6 पर

हंगामे के बीच बिल पर मुहर

लोकसभा में हंगामे के बीच ही प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब दिया और उनके जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। विधेयक पारित होने के बाद कांग्रेस सांसदों की नारेबाजी के बीच ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

किरेन रिजिजू ने जताई आपत्ति

राहुल गांधी के इडियट शब्द का इस्तेमाल करते ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताई और स्पीकर ओम बिरला से आग्रह किया कि वे इस असंसदीय शब्द को कार्यवाही से हटा दें। किरेन रिजिजू के बोलने पर राहुल गांधी ने कहा, अध्यक्ष जी, अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ भाजपा बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाऊंगा।

ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधेयक पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है।

राहुल को बुनियादी जानकारी नहीं: जितेंद्र

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली की बुनियादी जानकारी नहीं होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि लोकसभा में तथ्यों के बिना गैर जिम्मेदारी से बात कह देना विपक्ष के नेता का व्यवहार नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा का जवाब ▶▶| शेष पेज 6 पर

गुलवीर ने रचा इतिहास

10 हजार मीटर दौड़ में जीता सिल्वर

कॉमनवेल्थ गेम्स

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स में लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 हजार मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। राष्ट्रमंडल खेलों में इस वर्ग में वे पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए है। नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुलवीर ने ग्लासगो के स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में यह रेस 27:49.8 में पूरी की। गुलवीर ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

- 10 हजार मीटर, 5 हजार मीटर, हाफ मैराथन और एक मील के इवेंट में नेशनल रिकॉर्ड
- साल 2026 में ही हाफ मैराथन को सिर्फ 59 मिनट 42 सेकेंड में पूरा करने के साथ पहले ऐसे भारतीय एथलीट
- साल 2025 में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5 हजार और 10 हजार मीटर के इवेंट में गोल्ड मेडल
- मई 2026 में अमेरिका के कार्निवल में चार मिनट से कम समय में एक मील की दौड़ पूरी करने वाले पहले भारतीय

कभी था ड्राइवर, अब घर में मिला 20 करोड़ कैश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने अवैध संपत्ति के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने देऊचा गांव में एक पूर्व सरकारी बस ड्राइवर और मौजूदा पत्थर कारोबारी मीनार मंडल के दो मंजिला मकान पर छापेमारी कर 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और 15 किलो सोना बरामद किया है। बरामद किए गए सोने में 1-1 किलो की 14 छड़ें और 100-100 ग्राम के 10 बिस्कुट शामिल हैं।

नाइजीरियन गिरफ्तार एक करोड़ की ड्रग्स जब्त

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 53 वर्षीय एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार कर उसके पास से 1.02 करोड़ रुपए मूल्य का मेफेड्रोन (मादक पदार्थ) बरामद किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जस्टिन उसीफो उर्फ माइकल ग्रेस के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान 2.054 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया गया, जिसकी कीमत 1,02,75,000 रुपए आंकी गई है।

राम मंदिर के सचिव बनाए गए जगदीश

नई दिल्ली। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए जगदीश आफले को ट्रस्ट का पहला सचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर औपचारिक मुहर 2 सितंबर को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में लगेगी। हालांकि, उन्हें पहले ही ट्रस्ट का अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता बना दिया गया है।

गिरफ्तार जालसाजों में दो महिला सहित एक पुरुष शामिल, सभी कानपुर के रहने वाले

बहन की शादी, बीमारी का बहाना बनाकर सोने की जगह पीतल के जेवर थमाने वाले तीन जालसाज गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लोगों को बहन बेटी की शादी या घर में किसी के बीमार होने का झांसा देकर असली सोने की जगह नकली सोने के जेवर बेचने वाले तीन जालसाजों को रायपुर पुलिस तथा एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट की टीम ने मुंबई से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो महिलाएं शामिल हैं। तीनों उत्तरप्रदेश, कानपुर के रहने वाले हैं। जालसाजों ने छह महीने के भीतर रायपुर के तीन कारोबारियों के साथ 23.50 लाख रुपए की ठगी की है।

- ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ में ठगी करने के प्रयास में रायपुर पुलिस ने जालसाजों को मुंबई से किया गिरफ्तार

ठगी करने के आरोप में पुलिस ने शंभू राय, गीता गुजराती तथा शांति गुजराती को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी आपस में रिश्तेदार हैं। राशि पत्थर बेचने की आड़ में सभी ठगी करते थे। ठगी करने वाले नकली जेवर बेचने के पहले असली सोने के जेवर देते थे। इसके बाद उन लोगों के साथ जेवर का सौदा कर एक निश्चित जगह पर बुलाते थे और पैसे लेकर उन लोगों को नकली जेवर थमाकर चले जाते थे। अपनी मजबूरी बताकर लोगों को अपने झांसे में लेकर नकली जेवर बेचना इनका काम था। जालसाजों के कब्जे से पुलिस ने नौ लाख रुपए कैश सहित 14 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर जब्त किए हैं। अपने आपको दिहाड़ी मजदूर बताकर खुदाई के दौरान जेवर मिलने का ये लोगों को झांसा देते थे।

ऐसे तलाशते थे ग्राहक

गिरोह का सरगना शंभू राय अलग-अलग शहरों में राशि पत्थर (स्टोन) बेचने का काम करता था। इसी दौरान वह आर्थिक रूप से सक्षम लोगों पर नजर रखता और उन्हें अपना शिकार बनाता था। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह दिल्ली के करोल बाग से पीतल के हार और अन्य नकली आभूषण खरीदता था। इन्हें पुराना खजाना बताकर बाजार कीमत से काफी कम दाम में बेचने का लालच दिया जाता था।

एक आरोपी के कब्जे से कई नकली आधार मिले

जालसाजों के सरगना के कब्जे से पुलिस ने कई फर्जी आधार कार्ड जब्त किए हैं। आधार कार्ड की पुलिस जांच करने की बात कह रही है। गिरफ्तार जालसाज बिरगांव में करीब ढाई महीने किराए का मकान लेकर रह रहे थे। पुलिस को जालसाजों द्वारा अब तक एक करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने की जानकारी मिली है।

प्रार्थी के दोस्त से मिला इनपुट

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप के संचालक महेश कानस्कर के साथ ढाई लाख रुपए की ठगी की थी। कारोबारी के मुंबई में परिचित एक कारोबारी की दुकान में जालसाज जेवर बेचने के लिए पहुंचे। उन्हें भी इन लोगों ने उसी तरह से झांसा देकर ठगी करने की कोशिश की। इसकी जानकारी मिलने पर रायपुर के कारोबारी ने मुंबई के कारोबारी से संपर्क किया। पूछताछ करने पर हुलिया मेल खाता मिला। इसके बाद कारोबारी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने भी इसकी तस्दीक की। मुंबई तथा रायपुर के कॉल डंप की जांच की गई। एक नंबर रायपुर के बाद मुंबई में होना पाया गया। नंबर चालू था। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल नंबर का लोकेशन ट्रेस कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

शिक्षाकर्मियों की संविलियन से पहले की सेवा और पेंशन पात्रता पर नीति बनाने का निर्देश

हाईकोर्ट में राज्य सरकार की अपील खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने शिक्षाकर्मियों की संविलियन को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शिक्षाकर्मी से शिक्षक एलबी बने शिक्षकों की संविलियन से पहले की सेवा को पेंशन पात्रता में शामिल करने के मुद्दे पर डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की रिट अपील खारिज कर दी है। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें सरकार को शिक्षाकर्मियों की पूर्व सेवा अवधि को पेंशन के लिए गिने जाने के मुद्दे पर पुनर्विचार कर स्पष्ट नीति बनाने को कहा गया था। कोर्ट ने माना कि शिक्षाकर्मी के रूप में 10 से 15 वर्ष तक शासकीय नियंत्रण में सेवा देने वाले शिक्षकों की उस अवधि को पूरी तरह नजरअंदाज करना ऐसा मुद्दा है, जिस पर राज्य सरकार को नीतिगत स्तर पर तार्किक और समान निर्णय लेना चाहिए।

उत्तर छत्तीसगढ़ बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी ब्लॉक में पदस्थ शशांक भूषण दुबे, परमेश्वर मिश्रा, सुनील तिवारी सहित 72 शिक्षकों और व्याख्याताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, उनकी नियुक्ति 1998 से 2008 के बीच शिक्षाकर्मी के रूप में हुई थी। राज्य सरकार ने 1 जुलाई 2018 से उनका स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन कर दिया। इसके बाद पेंशन की अर्हता सेवा की गणना संविलियन की तारीख से किए जाने लगी। शासन के नियमों के अनुसार पेंशन के लिए न्यूनतम 10 वर्ष की अर्हता सेवा आवश्यक है।

तो पुरानी सेवा का कोई लाभ नहीं मिलेगा

शिक्षकों का कहना था कि यदि 1 जुलाई 2018 से ही सेवा की गणना की जाएगी तो संविलियन से पहले शिक्षाकर्मी के रूप में दी गई 10-15 साल की सेवा का कोई लाभ नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में कई कर्मचारियों को 1 जुलाई 2028 तक न्यूनतम अर्हता सेवा पूरी करने का इंतजार करना पड़ेगा। याचिका की सुनवाई के बाद सिंगल बेंच ने 23 जनवरी 2026 को राज्य सरकार को पूर्व सेवा अवधि को पेंशन के उद्देश्य से शामिल करने के मुद्दे पर पुनर्विचार करने और स्पष्ट नीति बनाने का निर्देश दिया था। इसके साथ ही सिंगल बेंच ने याचिका को निराकृत कर दिया था।

डिवीजन बेंच में दी गई थी चुनौती

सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन, वित्त और स्कूल शिक्षा विभाग ने रिट अपील दायर की थी। सरकार की ओर से दलील दी गई कि संविलियन की शर्तें पहले से निर्धारित हैं और संविलियन से पहले की सेवा को पेंशन में जोड़ने से राज्य पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। राज्य सरकार की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि सिंगल बेंच के आदेश से सरकार की नीतिगत शक्तियों में हस्तक्षेप की स्थिति बन सकती है।

बार-बार मुकदमेबाजी की ना बने स्थिति

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिंगल बेंच ने सरकार को सीधे पुरानी सेवा जोड़कर पेंशन देने का आदेश नहीं दिया है। सरकार के नीतिगत अधिकार का सम्मान करते हुए केवल इस गंभीर मुद्दे पर पुनर्विचार कर स्पष्ट नीति बनाने को कहा गया है। डिवीजन बेंच ने कहा कि शिक्षाकर्मी के रूप में दी गई सेवा की अवधि, कार्य की प्रकृति और कर्मचारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण जैसे पहलुओं पर सरकार को संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के तहत विचार करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नीति बनाते समय पारदर्शिता और समानता का ध्यान रखा जाए, ताकि समान परिस्थितियों वाले कर्मचारियों के साथ अलग-अलग व्यवहार न हो और इस मुद्दे पर बार-बार मुकदमेबाजी की स्थिति उत्पन्न न हो।

साइकिल की गुणवत्ता पर उठाया सवाल तो जेल पहुंच गए पूर्व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भगत

रायगढ़। स्कूली बच्चों को वितरण की जाने वाली सरकारी साइकिल की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले पूर्व भाजयुमो अध्यक्ष और आदिवासी नेता रवि भगत को जेल भेज दिया गया है। उनके खिलाफ सरकारी काम में बाधा और शांति भंग करने का धारा पुलिस ने लगाई है। रवि भगत ने मंगलवार को लैलूंगा ब्लॉक के कूपाकानी हाई स्कूल में जब छात्राओं को सरकारी साइकिल वितरण किया जा रहा था तब खूब बवाल मचाया था। हालांकि प्राचार्य की शिकायत के बाद लैलूंगा पुलिस ने उसे मौके से उठाकर थाने ले गई थी। इसके बाद बुधवार को विभिन्न धाराओं में जेल भेज दिया गया है।कुछ दिन पहले रवि भगत ने जर्जर सड़क को लेकर सड़क जाम कर दिया था। इसके बाद दूसरी सड़क के लिए भी आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। एक अगस्त को इसके लिए अपने समर्थकों के साथ प्रदर्शन करने वाले थे। साथ ही सरकारी साइकिल की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाते हुए जांच की मांग किया था। इसी दौरा मंगलवार को शासकीय हाई स्कूल कूपाकानी में साइकिल वितरण का कार्यक्रम रखा गया था। इसकी जानकारी मिली तो गांव पहुंच कर रवि भगत ने गांव भर में माइक से मुनादी की और स्कूल पहुंच कर स्वयं विरोध करने लगे। गुणवत्ता को लेकर प्राचार्य के साथ काफी हॉट-टॉक हुई। दोनों के बीच काफी बहस होने के बाद प्राचार्य ने अपने अधिकारियों के अलावा पुलिस को भी सूचना दी। लैलूंगा पुलिस मौके पर पहुंची और रविभगत को पकड़ कर ले आई।

- मंगलवार को लैलूंगा ब्लॉक के कूपाकानी हाईस्कूल में मचाया था बवाल

घसीटना पड़ा पुलिस को

विरोध करते हुए रवि भगत मौके पर ही बैठ गए थे। इस दौरान पुलिस उसे उठाने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। जब उसे कई पुलिस कर्मी उठाने लगे तो वह गाड़ी के नीचे जमीन पर लेट गए। इसके बाद उसे घसीटते हुए पुलिस गाड़ी के पास लेकर आए और लैलूंगा थाना ले गए। बुधवार को बीएनएसएस की धारा 170,126 और 135 (3) के तहत अपराध दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे जेल भेज दिया गया है।

स्कूल में महिला शिक्षक ने बच्चे से कापी में लिखवाई दो सौ बार मां की गाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

शहर के एक निजी स्कूल का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। स्कूल में एक शिक्षिका द्वारा छात्र को कापी पर मां की गाली लिखने की सजा दी। बच्चे से उसके ही स्कूल कापी पर 200 बार अशोभनीय गाली लिखवाई गई और अभिभावक से हस्ताक्षर कराकर मंगवाया गया। इस घटना के बाद अभिभावक आक्रोशित हैं और जांच व कार्रवाई की मांग की है। इधर इस मामले में शिकायत के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी करने के साथ ही जांच व कार्रवाई के निर्देश दिए है।

- निजी स्कूल का मामला, दो बच्चों के झगड़े के बाद दी गई सजा, डीईओ ने दिया जांच का निर्देश

शिक्षकीय पेशे को शर्मशार करने वाली यह घटना शहर के सरगवां स्थित एक निजी स्कूल की है। बताया जा रहा है कि स्कूल में कक्षा 8 वीं के दो बच्चे आपस में झगड़ रहे थे। इस दौरान स्कूल में पदस्थ एक शिक्षिका ने एक बच्चे को पकड़ लिया और सजा के तौर पर 100 बार हिंदी और 100 बार अंग्रेजी में मां की गाली कापी में लिखवाई। इतना ही नहीं उस महिला शिक्षक का दुस्साहस देखिए, उसने उस कापी में अपने माता-पिता का हस्ताक्षर करवा कर लाने को कहा। कापी में बच्चे से दो सौ बार अशोभनीय गाली लिखवाने और परिजन के हस्ताक्षर कराकर लाने की जानकारी बच्चे ने अपने माता-पिता को दी। इस घटना के बाद अभिभावकों के बीच स्कूल के खिलाफ खासी नाराजगी देखने को मिली। छात्र के परिजन ने स्कूल प्रबन्धन और उक्त शिक्षिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग से की है। परिजन का कहना है कि हम अपने बच्चों को स्कूल में पढाने के लिए भेजते हैं, गाली सिखाने के लिए नहीं। स्कूल में बच्चे से 100 बार हिंदी और 100 बार अंग्रेजी में गाली लिखवाई गई इस दौरान बच्चे ने गाली का उच्चारण भी किया होगा। परिजन का कहना है कि यदि बच्चे ने गलती की भी थी तो शिक्षक का काम उसे सही राह दिखाना और समझाना है। इस तरह गाली लिखवाना सही नहीं है। इधर इस मामले में अभाविप ने भी कार्रवाई की मांग की है।

जारी किया गया है नोटिस

यह मामला काफी गंभीर है। शिकायत के बाद स्कूल के प्राचार्य को नोटिस जारी किया गया है और जवाब मांगा गया है। मामले की जांच के निर्देश दिए गए है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। - डॉ. दिनेश झा, डीईओ

मिड-डे मील में भेदभाव पर सख्त, 26 जिलों के बच्चों को क्यों रखा गया बाहर

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में चल रही प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (मिड-डे मील) योजना को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने पूछा कि जब बच्चों को पौष्टिक आहार देने के लिए हफ्ते में तीन दिन 20 ग्राम मिलेट चिक्की (बाजरा, कोदो-कुटकी) देने का फैसला हुआ है, तो यह सिर्फ 7 जिलों में ही क्यों लागू है। बाकी 26 जिलों के बच्चों को इससे क्यों वंचित रखा गया है। दरअसल, स्कूलों में मिड-डे मील योजना की खराब व्यवस्था और गड़बड़ियों की खबरें लगातार मीडिया में सामने आ रही थीं। इसे देखते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने एक्शन लिया। मामले को जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की गई। डिवीजन बेंच ने जांच के लिए न्यायमित्र नियुक्त किया और उन्हें स्कूलों में मिड-डे मील योजना की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने का निर्देश दिया। वहीं, अब मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी।

- योजना की खराब व्यवस्था और गड़बड़ियों की खबरें लगातार

सिर्फ 7 जिलों में मिलेट चिक्की

सुनवाई के दौरान न्यायमित्र ने मुख्य सचिव के शपथ पत्र के पैरा-7 का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने माना है कि 20 ग्राम मिलेट चिक्की का वितरण सिर्फ नियद नेल्लानार योजना वाले 5 जिलों और जशपुर, रायगढ़ समेत कुल 7 जिलों में ही किया जा रहा है। न्यायमित्र ने सवाल उठाया कि जब पूरे प्रदेश के बच्चों की पोषण संबंधी जरूरतें एक जैसी हैं, तो बाकी 26 जिलों के लाखों स्कूली बच्चों को इस योजना से बाहर रखना समानता के अधिकार के खिलाफ है। साथ ही यह बच्चों के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ है।

मुख्य सचिव ने बताया एक्शन प्लान

हाईकोर्ट के 15 अप्रैल 2026 के आदेश का पालन करते हुए मुख्य सचिव ने अपना शपथ पत्र पेश किया। इसमें बताया गया कि 18 जून 2026 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पीएम पोषण योजना की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक हुई थी। बैठक में शिक्षा, खाद्य, कृषि, वित्त, महिला-बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के सचिवों के साथ रायपुर और कोंडागांव के कलेक्टर भी शामिल हुए। बैठक में मिड-डे मील योजना को बेहतर बनाने के लिए एक्शन प्लान तैयार कर उस पर काम करने के निर्देश दिए गए।

अधीनस्थ लेखा सेवा विभागीय परीक्षा रद्द, नया विषय जोड़ने को गंभीर माना

छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा विभागीय परीक्षा भाग-दो, 2017 के परिणाम को छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु के सिंगल बेंच ने रद्द कर दिया है। परीक्षा में विज्ञापित पाठ्यक्रम से बाहर के सवाल पूछे जाने और परीक्षा से ठीक पहले एडमिट कार्ड में नया विषय जोड़ने को कोर्ट ने गंभीर मामला माना है। कोर्ट ने वित्त विभाग को स्पष्ट सिलेबस अधिसूचित कर पात्र कर्मचारियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने के बाद नए सिरे से परीक्षा कराने की छूट दी है। अमर सिंह बिसेन, दिनेश कुमार सिंह समेत अन्य कर्मचारियों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 20 दिसंबर 2017 के परीक्षा परिणाम और 22 नवंबर 2024 के आपत्ति निरस्तीकरण आदेश को रद्द कर दिया। वित्त विभाग ने विभागीय पदोन्नति के लिए अप्रैल 2017 में एसएएस भाग-दो परीक्षा का विज्ञापन जारी किया था। परीक्षा 8 से 14 अगस्त 2017 तक आयोजित की गई थी। पर्चा-V के लिए विज्ञापन और विभागीय वेबसाइट पर कंपनी अकाउंट्स एंड स्टोर कंट्रोल (स्नातक स्तर) विषय निर्धारित था। याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों का कहना था कि प्रश्नपत्र में पूछे गए सभी सात सवाल कॉस्ट एकाउंटेंसी से थे, जबकि यह विषय विज्ञापित पाठ्यक्रम में शामिल नहीं था।

- कर्मचारियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने के बाद नए सिरे से परीक्षा कराने की छूट

विभाग ने बताया था टाइपोग्राफिकल त्रुटि

याचिकाकर्ताओं के अनुसार कॉस्ट एकाउंटेंसी का उल्लेख केवल एडमिट कार्ड और समय-सारणी में किया गया था। कई अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के बाद, यानी परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले, नए विषय की जानकारी मिली। परीक्षा में असफल होने के बाद अभ्यर्थियों ने आरटीआई के जरिए उत्तरपुस्तिकाएं हासिल कीं और आउट ऑफ सिलेबस सवालों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। विभागीय समिति ने इसे टाइपोग्राफिकल त्रुटि बताते हुए अभ्यावेदन खारिज कर दिया था। समिति के इसी आदेश को चुनौती देते हुए अभ्यर्थियों ने हाई को में याचिका दायर की थी। कॉस्ट एकाउंटेंसी का उल्लेख केवल एडमिट कार्ड और समय-सारणी में किया गया था। कई अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के बाद, यानी परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले, नए विषय की जानकारी मिली। असफल होने के बाद अभ्यर्थियों ने आरटीआई के जरिए उत्तरपुस्तिकाएं हासिल कीं और आउट ऑफ सिलेबस सवालों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। विभागीय समिति ने इसे टाइपोग्राफिकल त्रु बिताते हुए अभ्यावेदन खारिज कर दिया था।

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

बाघ की खाल बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

अंबिकापुर। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो भोपाल और सूरजपुर वन मंडल की संयुक्त टीम ने दो दिन की मशक्कत के बाद बाघ की खाल बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान ओड़गी विकासखंड के ग्राम भंवरखोह निवासी भूखन लाल पंडो, गरीब लाल पंडो और ग्राम धरसेड़ी निवासी टिकेश्वर राजवाड़े के रूप में हुई है। तीनों को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो को क्षेत्र में बाघ के अवैध शिकार और खाल की तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद वन विभाग के सहयोग से टीम ने आरोपियों तक पहुंचने की योजना बनाई। टीम के सदस्य खरीददार बनकर आरोपियों के संपर्क में पहुंचे। पहले आरोपियों ने खाल बेचने में आनाकानी की, लेकिन बाद में बातचीत के बाद दो लाख रुपए में सौदा तय हुआ। सौदे के मुताबिक मंगलवार को ओड़गी-भैयाथान मार्ग पर ग्राम बैजनाथपुर के पास खाल का लेनदेन होना था। तीनों आरोपी बाघ की खाल लेकर पहुंचे। टीम के सदस्यों ने खाल देखने के बाद रुपए गिनने का नाटक किया और मौका मिलते ही घेराबंदी कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जब्त खाल और आरोपियों को सूरजपुर वन मंडल कार्यालय लाकर देर रात तक पूछताछ की गई।

- दो दिन की मशक्कत के बाद खरीददार बनकर वन विभाग की टीम ने बिछाया जाल, दो लाख में हुआ था सौदा

अन्य आरोपियों की तलाश

पूछताछ में आरोपियों ने दावा किया कि मध्यप्रदेश निवासी भूखन लाल के मामा ने फरवरी 2026 में उसे खाल बेचने के लिए दी थी। मामा की अब मौत हो चुकी है। हालांकि वन विभाग आरोपियों के बयान को संदिग्ध मान रहा है। अधिकारियों को मामले में अन्य लोगों के शामिल होने की आशंका है और उनकी तलाश की जा रही है। यह भी जांच की जा रही है कि बाघ का शिकार कब और कहां किया गया था।

सार्वजनिक सड़क पर किसी भी तरह का व्यवधान या शोर-शराबा बर्दाश्त नहीं

हाईकोर्ट ने शहर से दूर एक निजी परिसर में संजय दत्त का जन्मदिन समारोह आयोजित करने की सशर्त अनुमति दी है। कोर्ट ने सख्त हिदायत दी है कि सार्वजनिक सड़क पर किसी भी तरह का व्यवधान या शोर-शराबा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच ने याचिकाकर्ता गुरुदेव अवस्थी की याचिका पर यह सशर्त आदेश जारी किया है। याचिकाकर्ता गुरुदेव अवस्थी ने अभिनेता संजय दत्त का जन्मदिन मनाने के लिए अनुविभागीय अधिकारी, बिलासपुर के समक्ष आवेदन दिया था। एसडीएम ने लेकिन जुलाई 2026 को आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि शोर-शराबा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। याचिकाकर्ता ने पिछले वर्ष मध्य नगरी चौक की मुख्य सड़क पर जश्न मनाया था, जिससे यातायात ठप हो गया था और कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित हो गई थी। एसडीएम के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में याचकिा दयर की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता चंद्रभूषण केशरवानी ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि इस बार कार्यक्रम किसी सार्वजनिक सड़क या चौक पर नहीं, बल्कि शहर से लगभग 7 किमी दूर कोनी स्थित 'द कंट्री क्लब' के निजी और बंद हॉल में आयोजित किया जाएगा। कोर्ट को आश्वस्त किया कि कार्यक्रम से जनता को कोई परेशानी नहीं होगी और ध्वनि प्रदूषण तथा पर्यावरण से जुड़े सभी नियमों का पालन किया जाएगा।

शब्द पहेली - 6302

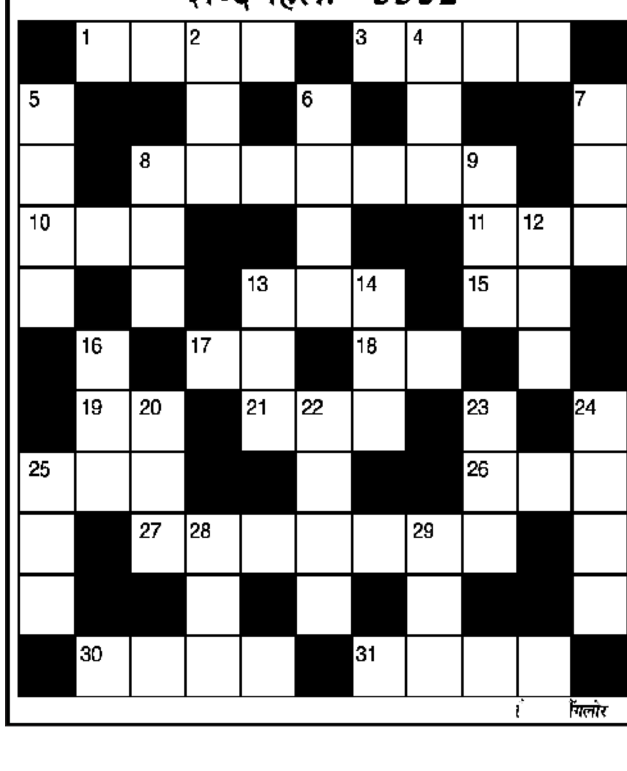

मंगल सेनाचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्णा-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6301 का हल

सूडोकु नवताल - 6312

✱✱✱✱✱ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6311 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

बिलासपुर
गुरुवार 30 जुलाई 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 26, अंक : 129
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 28.2
न्यून. 24.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

विचार पेज
2 विकास कार्यों की जवाबदेही...

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

भारी बारिश से उफान पर नदी-नाले, धमतरी-गरियाबंद में दो बहे, स्कूलों की छुट्टी, सैकड़ों गांवों का संपर्क टूटा

छत्तीसगढ़ में दो दिनों से हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश से रायपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के कई जिले बुरी तरह प्रभावित हैं। नदी-नालों के उफान पर आने से धमतरी, गरियाबंद और दो लोग बह गए, जिसमें एक बुजुर्ग का शव बरामद किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बाढ़ के चलते जगह-जगह पेड़ गिर गए हैं जिससे यातायात प्रभावित है। कुछ जगहों पर सड़कें भी बह गई हैं। गरियाबंद जिले में सौ से ज्यादा गांवों का ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। धमतरी और गरियाबंद जिले में एहतियातन स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी गई है।

धमतरी जिले के सिहावा इलाके के सेमरा गांव में नदी के एनीकट में मछली पकड़ने गया एक युवक बह गया। युवक घोटगांव का रहने वाला बताया गया है। फिलहाल बचाव दल उसकी तलाश कर रही है। इसीतरह गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर के सरगी नाले में एक बुजुर्ग बह गया। नाले के किनारे खड़े लोगों ने बुजुर्ग को आगाह भी किया था कि वह न जाएं। बुजुर्ग का शव पांच किलोमीटर दूर बरामद किया गया है।

बस्तर संभाग में लगातार भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। सुकमा जिले में तेज बारिश से मुख्य मार्ग पर राजामुण्डा के पास सड़क पर एक पेड़ गिर गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

नेशनल हाईवे पर दो-तीन फीट पानी

भारी बारिश के चलते नेशनल हाईवे 130 सी के उपर 2-3 फीट पानी भरने से गरियाबंद, रायपुर, देवभोग ओड़िशा मार्ग अवरूद्ध हो गया। अड़गड़ी नाला में बनाए एप्रोच रोड बहने से 65 गांवों के हजारों लोगों का आवागमन पूरी तरह बंद है। उदंती, ▶▶|शेष पेज 6 पर

फरसगांव में दो दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क टूटा

बस्तर संभाग के कोंडागांव जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से फरसगांव विकासखंड में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उरंदाबेड़ा नाला सहित कई छोटे-बड़े नाले उफान पर हैं, जिससे फरसगांव आने-जाने वाले प्रमुख मार्ग बाधित हो गए हैं। तेज बहाव के कारण दो दर्जन से अधिक गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।

24 घंटे में रायपुर 15 तो बचेली में 20 सेमी. बरसा पानी

- आज से गतिविधि में कमी आने के आसार, प्रदेश में अब तक करीब 48 सेमी. वर्षा
- रायपुर में दैनिक और मासिक बरसात का टूट चुका है रिकार्ड, अब तक 59 सेमी. बरसात

रायपुर। पश्चिम बंगाल में बने गहरे अवदाब ने सावन के पहले राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अधिकतर इलाके को सराबोर कर दिया है। मानसून की सक्रियता की वजह से पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के अधिकतर इलाकों में भारी बारिश हुई है। पिछले चौबीस घंटे में रायपुर में बरसात ने 15 सेमी. का आंकड़ा पार कर दिया तो बचेली में 20 सेमी. तक बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। सिस्टम के मध्यप्रदेश की ओर कूच करने की वजह से अगले चौबीस घंटे में बरसात की गतिविधि में कमी आएगी। जुलाई के महीने में रायपुर जिले में दैनिक और मासिक वर्षा का रिकार्ड टूटा चुका है। जिले में अब तक 59 सेमी. पानी बरस ▶▶|शेष पेज 6 पर

फिंगेश्वर के सरगी नाले में एक बुजुर्ग बह गया

कार के अंदर ही मिली पूर्व सरपंच दंपती की लाश

- 71 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन
- ओडिशा एनडीआरएफ, रायपुर-बिलासपुर एसडीआरएफ और रायगढ़ के नगर सेना की टीम मौके पर डटी पूरे समय

रायगढ़/ बरमकेला। बीते रविवार को कार समेत नदी की धार में बहे पति-पत्नी को ढूंढने करीब 71 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। जब जाकर दोनों का शव बरामद हो सका है। इस दौरान ओडिशा एनडीआरएफ, रायपुर-बिलासपुर एसडीआरएफ और रायगढ़ के नगर सेना की टीम मौके ▶▶|शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

'छड़ी मुबारक' के धार्मिक अनुष्ठान शुरू

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा से जुड़ी सदियों पुरानी परंपरा 'छड़ी मुबारक' के धार्मिक अनुष्ठान बुधवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गए। महंत दीपेंद्र गिरि ने यह जानकारी दी। भगवान शिव की भगवा वस्त्रों से सुसज्जित छड़ी 'छड़ी मुबारक' को यहां स्थित दशनामी अखाड़े से अनंतनाग जिले के पहलगाम ले जाया गया, जहां भूमि पूजन अनुष्ठान किया गया।

100 करोड़ की धोखाधड़ी तीन आरोपी गिरफ्तार

डिंडीगुल। तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में स्थित प्रसिद्ध पलानी मुरुगन मंदिर से जुड़े एक मठ की बेशकीमती जमीन कथित तौर पर फर्जी विलेख पत्र तैयार कर निजी लोगों के नाम कर दी गई। इस मामले की जांच कर रही तमिलनाडु सीबीआई-सीआईडी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों से मंदिर के नजदीक 1.4 एकड़ जमीन के चर्चित मामले में एक बड़ी कामयाबी मिली है।

सोनम ने किया समर्पण, हिरासत में भेजी गई

शिलांग। राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम रघुवंशी ने मंगलवार को मेघालय की एक अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। वर्ष 2025 में हनीमून के दौरान सोनम ने पति राजा रघुवंशी की हत्या कर दी थी। हाल ही में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए मंगलवार को मेघालय की एक ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पूर्वी खासी हिल्स जिले के पुलिस अधीक्षक विवेक सिएम ने बताया कि मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी सोनम रघुवंशी को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तीसरे सोमवार को मनाई जाएगी नाग पंचमी, 2003 के बाद यह पहली बार

श्रवण नक्षत्र सहित आयुष्मान में श्रावण मास प्रारंभ, 23 वर्ष पश्चात नागपंचमी सोमवती

शश महापुरुष, हंस सहित गुरु-आदित्य राजयोग भी निर्मित कर रहे हैं ग्रह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

श्रवण नक्षत्र में सावन की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, श्रवण नक्षत्र एक देवगण नक्षत्र है। इस नक्षत्र में किए गए मंत्र जाप, ध्यान और व्रत का प्रभाव अधिक माना जाता है। साधक को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। सावन के पहले दिन आयुष्मान योग बहुत शुभ माना जाता है, जो आज निर्मित हो रहा है। आयुष्मान योग को ▶▶|शेष पेज 6 पर

तड़के 4 बजे प्रथम आरती

राजधानी के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वरनाथ मंदिर में श्रावण मास की प्रथम आरती गुरुवार तड़के 4 बजे की गई। इसके पूर्व जलाभिषेक व श्रृंगार हुआ। यहां दर्शन के लिए पट रात्रि 10 बजे तक खुले रहेंगे। प्रतिदिन यही क्रम रहेगा। इसी भांति शहर के अन्य शिवालयों में भी श्रावण मास की तैयारियां पूर्ण किए जाने के साथ ही विविध व्यवस्थाएं की गई हैं।

प्रारंभ होगी मंगला गौरी व्रत

पहला सावन सोमवार 3 अगस्त, दूसरा 10 अगस्त, तीसरा 17 अगस्त तथा चौथा व अंतिम सोमवार 24 अगस्त को होगा। इनमें से तीसरे सोमवार अर्थात 17 अगस्त को नागपंचमी है। वर्ष 2003 के बाद पहली बार यह ▶▶|शेष पेज 6 पर

गोधूली बेला के पूर्व जलाभिषेक

शिव को जल सर्वाधिक प्रिय है। ब्रह्म मुहूर्त से जलाभिषेक प्रारंभ कर सकते हैं। गोधूली बेला के पूर्व तक जलाभिषेक करना अधिक श्रेष्ठ है।

\- पं.आशीष शास्त्री
भोरमदेव मंदिर, कवर्धा

संपूर्ण मास शिव को अर्पित

सावन का पूरा महीना ही शिव को समर्पित है। कोई मुहूर्त या विशेष योग-संयोग ना होने पर भी पूजन अनंत फलदायी है।

\- पं.सुरेश गिरी
गोस्वामी, हाटकेश्वरनाथ, महादेव घाट, रायपुर

सुप्रीम कोर्ट का 11 साल बाद फैसला

पूर्व पीएम मनमोहन के खिलाफ बंद हुआ कोयला घोटाला केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ जारी आपराधिक मामला बुधवार को बंद कर दिया और उन्हें आरोपी के रूप में तलब करने वाले आदेश रद्द कर दिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)

की उस 'क्लोजर रिपोर्ट' को स्वीकार कर लिया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री सिंह और अन्य को क्लीन चिट दी गई थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ▶▶|शेष पेज 6पर

2005 के ब्लॉक आवंटन से जुड़ा मामला

वर्ष 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-II कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित कथित कोयला घोटाले में एक विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला, पूर्व कोयला सचिव पी. सी. पारेख और तीन अन्य लोगों को आरोपी के रूप में तलब किया था। हालांकि, न्यायालय ने इस आदेश में हस्तक्षेप करते हुए इस पर रोक लगा दी थी।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार

अदालत ने कहा, जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के संबंध में इस अदालत द्वारा लगातार तय किए गए मानकों को ध्यान में रखते हुए हम संतुष्ट हैं कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। हम अपील स्वीकार करते हैं और विवादित आदेश को रद्द करते हैं। परिणामस्वरूप, हम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए मामले को बंद करते हैं।

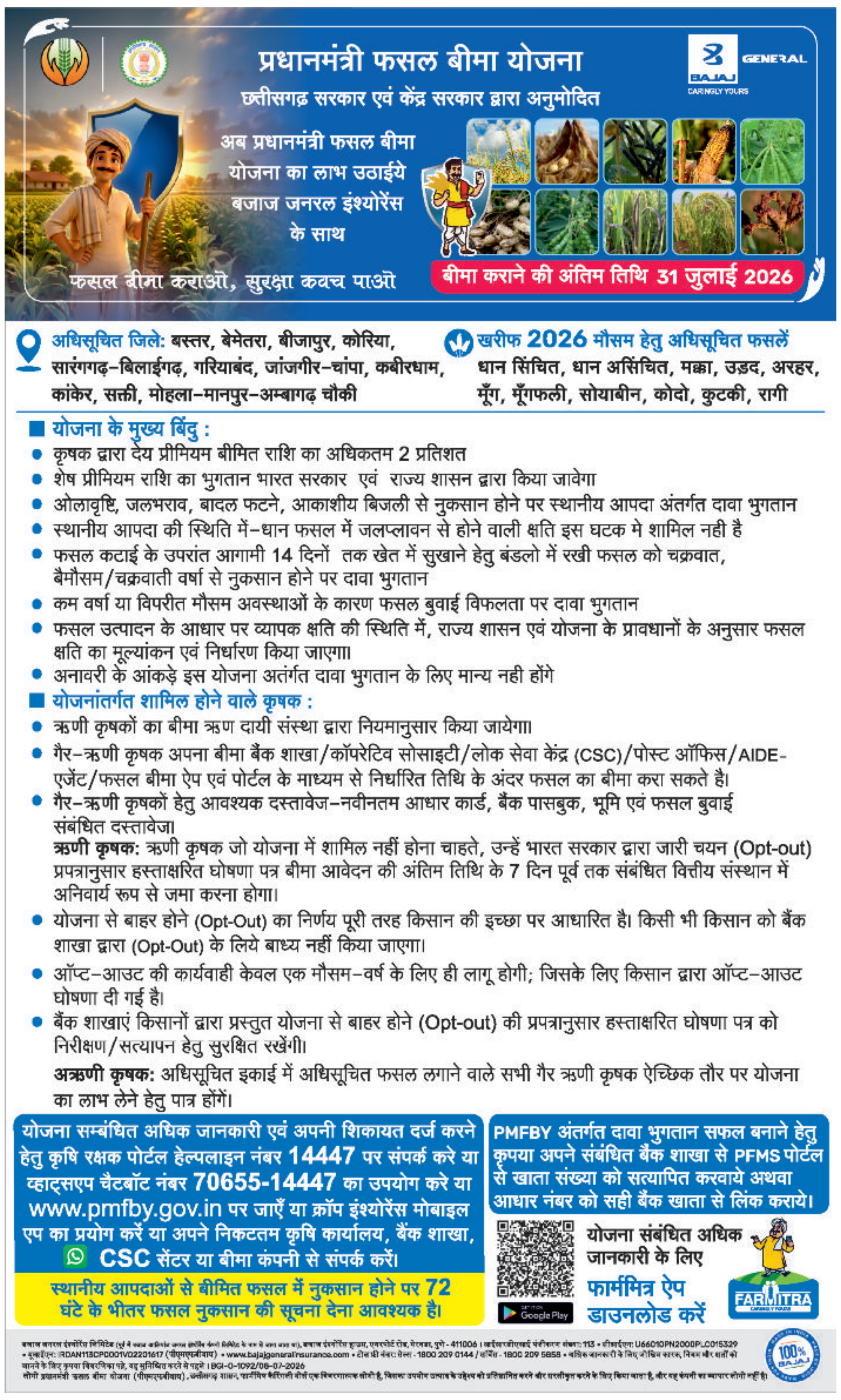

चिंतन

संसद की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि

पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद से देश को ठोस समाधान और सार्थक बहस की अपेक्षा होती है। विपक्ष को सरकार से कठिन सवाल पूछने का पूरा अधिकार है और सरकार को उनके जवाब देने की जिम्मेदारी है, लेकिन जब बहस का केंद्र असंसदीय शब्दों और आरोप-प्रत्यारोप पर आ जाता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है। संसद में विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की पहचान है, लेकिन शब्दों का संयम उसकी गरिमा और मर्यादा ही सदन की नींव है। बुधवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई बहस इसी सवाल को फिर से सामने ले आई। बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगभग 50 मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अपने भाषण में 'इडियट' और 'अंधभक्त' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार हस्तक्षेप करते हुए इसे संसदीय मर्यादा के विपरीत बताया और माफी की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हस्तक्षेप करते हुए आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष द्वारा आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाना संसदीय परंपरा का हिस्सा है। अंततः लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि मतभेद कितने भी गहरे हों, संवाद शालीन, तथ्यपरक और मर्यादित बना रहे। बहस के दौरान गृह मंत्री पर छात्रों पर फायरिंग के आदेश देने का आरोप भी लगाया गया, जिसे सरकार ने सिरे से खारिज किया। ऐसे गंभीर आरोपों की जांच और सत्यापन तथ्यों तथा कानून के आधार पर होनी चाहिए। संसद में बोले गए शब्द केवल तत्कालीन बहस तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि किसी शब्द की स्थायी 'प्रतिबंधित सूची' नहीं होती। किसी टिप्पणी को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका निर्णय उसके संदर्भ, प्रभाव और सदन की गरिमा के आधार पर अध्यक्ष या सभापति करते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर विभिन्न शब्द कार्यवाही से हटाए जाते रहे हैं। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संसद की संस्थागत गरिमा को बनाए रखने के लिए होती है। आज देश के करोड़ों युवा संसद की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। वे चाहते हैं कि उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस हो, ठोस नीतियां बनें और समाधान निकले। यदि चर्चा का केंद्र असंसदीय शब्द, नारे और राजनीतिक टकराव बन जाए, तो सबसे अधिक निराशा उन्हीं युवाओं को होती है, जिनके हितों की रक्षा के लिए संसद अस्तित्व में है। लोकतंत्र की शक्ति सत्ता और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी से बढ़ती है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से कठिन और असहज प्रश्न पूछे, जबकि सरकार का दायित्व है कि वह तथ्यों और जवाबदेही के साथ उनका उत्तर दे। लेकिन दोनों पक्षों की समान जिम्मेदारी यह भी है कि संसद की गरिमा और मर्यादा किसी भी राजनीतिक संघर्ष से ऊपर रहे। मतभेद जितने भी तीखे हों, संवाद तथ्यपरक, संयमित और जनहित केंद्रित होने चाहिए और सभी दल यह ध्यान रखें की सदन की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि है, इसे बनाए रखना सबका दायित्व है।

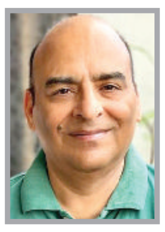

मुद्दा
पंकज चतुर्वेदी

ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिरना, सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

विकास कार्यों की जवाबदेही भी तय हो

आखिर ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान के रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। पिछले कुछ वर्षों में नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिर जाना और सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है-क्या हम टिकाऊ विकास कर रहे हैं या केवल विकास का प्रदर्शन?

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे हो या फिर प्रगति मैदान की सुरंग, बरसात में जलजमाव होना आम बात है। बिहार में गंगा पार का अगुवानी–सुल्तानगंज पुल निर्माण के दौरान दो बार ढह गया। इस परियोजना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इसके बावजूद लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि डिजाइन में कमी थी, निर्माण सामग्री दोषपूर्ण थी या निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई। इसी प्रकार, बिहार में कई छोटे पुलों और पुलियों के लगातार गिरने की घटनाओं ने राज्य की निर्माण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भी केवल एक तकनीकी विफलता नहीं था। करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित प्रतिमा का अपेक्षाकृत कम समय में ढह जाना यह बताता है कि गुणवत्ता परीक्षण और संरचनात्मक सुरक्षा के मानकों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होने के कुछ ही समय बाद उन्नाव के निकट इसकी लिंक रोड पहली ही बारिश में धंस गई। पहली ही भारी बारिश के बाद उत्तर प्रदेश के शामली और सहारनपुर के पास 12,000 करोड़ की लागत से बना दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (विशेषकर हाथ कररोड़ा गांव के समीप) कई जगहों से धंस गया था। इसके कारण बने बड़े-बड़े गड्ढों से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ अधिकारियों का तबादला या निलंबन होता है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। दोष तय नहीं होता, न किसी बड़ी निर्माण एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित होती है और न ही ऐसी घटनाओं से सीख लेकर व्यवस्था में व्यापक सुधार दिखाई देता है। ऐसी घटनाएं केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं हैं। इनके पीछे कई स्तरों की समस्याएं काम करती हैं। पहली समस्या है समय से पहले परियोजना पूरी करने का राजनीतिक दबाव। आज अधिकांश बड़ी परियोजनाएं चुनावी कैलेंडर से जुड़ जाती हैं। उद्घाटन की तारीख तय हो जाती है और फिर निर्माण एजेंसियों पर समय सीमा पूरी करने का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में गुणवत्ता परीक्षण, अंतिम निरीक्षण और तकनीकी मानकों के पालन में समझौते की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी समस्या है सबसे कम बोली आधारित

ठेका प्रणाली। सरकारी खरीद में कम लागत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा केवल सबसे सस्ता ठेका पाने तक सीमित रह जाए तो गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कई बार ठेकेदार बाद में लागत की भरपाई घटिया सामग्री, कम गुणवत्ता वाले श्रम या तकनीकी मानकों में कटौती करके करते हैं। तीसरी और सबसे गंभीर समस्या है जवाबदेही का अभाव। किसी पुल के गिरने, सड़क के धंसने या सरकारी भवन के ढहने के बाद यदि दोषी इंजीनियर, निर्माण एजेंसी या निगरानी संस्था पर कठोर कार्रवाई नहीं होती तो यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक धन की बर्बादी की कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी।

यही कारण है कि गलतियां दोहराई जाती हैं। विडंबना यह है कि भारत में परियोजनाओं की सफलता का मूल्यांकन अक्सर उनकी लागत, लंबाई या उद्घाटन की तारीख से किया जाता है, न कि उनकी डिजाइन आयु और टिकाऊपन से। यदि किसी पुल की अनुमानित आयु सौ वर्ष है, लेकिन वह दस वर्ष में ही बड़ी मरम्मत मांगने लगे, तो उसे सफल परियोजना नहीं कहा जा सकता, चाहे उसका उद्घाटन कितने ही भव्य तरीके से हुआ हो। जलवायु परिवर्तन का तर्क भी अक्सर सामने रखा जाता है। निश्चित रूप से अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। लेकिन यदि विकसित देशों में इन्हीं परिस्थितियों में बने पुल और सड़कें दशकों तक सुरक्षित रह सकती हैं, तो भारत में हर बार प्राकृतिक आपदा को ही दोष नहीं दिया जा सकता। आधुनिक इंजीनियरिंग का उद्देश्य ही बदलती जलवायु को ध्यान में रखकर संरचनाएं तैयार करना है। इस समस्या का एक सामाजिक पक्ष भी है। जब किसी सड़क के बार-बार मरम्मत की आवश्यकता होती है, तो उसकी वास्तविक लागत कई गुना बढ़ जाती है। इसका भुगतान अंततः करदाता करता है। दुर्घटनाओं में जान-माल की हानि अलग होती है। खराब आधारभूत संरचना उद्योग, पर्यटन, परिवहन और निवेश-सभी को प्रभावित करती है। इसलिए यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और नागरिक सुरक्षा का प्रश्न भी है। समाधान भी स्पष्ट हैं, बशर्ते उन्हें लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। प्रत्येक बड़ी परियोजना का स्वतंत्र तृतीय-पक्ष गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। निर्माण पूरा होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि विस्तृत सुरक्षा प्रमाणन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था वास्तव में लागू होनी चाहिए। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) तथा अन्य तकनीकी संस्थाओं की रिपोर्टों पर समयबद्ध कार्रवाई हो। साथ ही, परियोजनाओं की पूरी जानकारी-लागत, ठेकेदार, गुणवत्ता परीक्षण और रखरखाव-जनता के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए। भारत को विकास की गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं है।

आवश्यकता इस बात की है कि विकास की गति और गुणवत्ता दोनों साथ चलें। दुनिया में किसी भी देश की पहचान केवल ऊंची इमारतों, लंबे पुलों या चौड़ी सड़कों से नहीं बनती, बल्कि उनसे बनती है जो दशकों तक सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद बनी रहें। यदि हम हर दुर्घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करेंगे, मुआवजा घोषित करेंगे और फिर अगली दुर्घटना की प्रतीक्षा करेंगे, तो यह विकास नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों की निरंतर बर्बादी होगी। अब समय आ गया है कि भारत में आधारभूत संरचना का मूल्यांकन केवल उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, टिकाऊपन और जवाबदेही से किया जाए। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके उद्घाटनों में नहीं, बल्कि उन संरचनाओं में होती है जो आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित खड़ी रहती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

पंचायती राज
डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

आत्मनिर्भर पंचायत : विकसित भारत की आधारशिला

ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा, रायपुर (छत्तीसगढ़) महात्मा गांधी आत्मनिर्भर गांव के प्रबल समर्थक थे। वे ऐसे गांवों की कल्पना करते थे जो अपने संसाधनों का विकास स्वयं करें, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर सकें तथा दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनें। उनकी ग्राम पंचायत की अवधारणा जमीनी स्तर की सामाजिक सभा (ग्रासरूट सोशल असेंबली) पर आधारित थी, जो सहयोगात्मक शासन का स्वरूप प्रस्तुत करती है। इसमें सरकार, समाज और बाजार मिलकर कार्य करते हैं, जिससे ग्रामीणों का विश्वास बढ़ता है, स्थानीय ज्ञान का समुचित उपयोग होता है तथा नीतियों के प्रति दीर्घकालिक स्वामित्व की भावना विकसित होती है। भारत की लगभग दो-तिहाई से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जहाँ ग्राम पंचायतें आर्थिक गतिविधियों के संचालन, सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ग्रामसभा के सबसे निकट होने के कारण पंचायतें सुशासन स्थापित करने की सबसे प्रभावी कड़ी हैं। 73वें संविधान संशोधन के अंतर्गत पंचायतों को संवैधानिक दर्जा और व्यापक दायित्व प्रदान किए गए हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे केवल प्रशासनिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि स्थानीय आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने वाली स्वशासी संस्थाओं के रूप में कार्य करें। आजादी के अमृतकाल में पंचायतें सेवा-केंद्रित संस्थाओं के रूप में उभर रही हैं। फिर भी उनकी सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक आत्मनिर्भरता है। अधिकांश ग्राम पंचायतें राज्य एवं केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदानों पर निर्भर रहती हैं तथा अपने स्वयं के आय स्त्रोत विकसित करने पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पातीं। परिणामस्वरूप वे स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति, नई विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन तथा वास्तविक स्वशासी संस्थाओं के रूप में विकसित होने की क्षमता में सीमित रह जाती हैं।

16वें वित्त आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में ग्रामीण स्थानीय निकायों द्वारा स्वयं के राजस्व स्त्रोतों को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया है। आयोग का मत है कि उसके अनुदानों का उद्देश्य स्थानीय निकायों की व्यय आवश्यकताओं तथा उनकी स्वयं की आय एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदानों के बीच के अंतर को कम करना होना चाहिए। इसी उद्देश्य से आयोग ने राज्यों और ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए प्रदर्शन-आधारित (Performance-based) अनुदानों का प्रावधान किया है, जिन्हें पंचायतों की स्वयं की आय बढ़ाने से जोड़ा गया है।आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल वित्तीय संसाधनों तक सीमित नहीं है। इसका आशय पंचायतों की उस क्षमता से है, जिसके माध्यम से वे स्वतंत्र निर्णय ले सकें, स्थानीय समस्याओं का समाधान स्वयं खोज सकें तथा अपने समुदाय के विकास के लिए टिकाऊ मार्ग तैयार कर सकें। जब पंचायतें स्वयं राजस्व अर्जित करती हैं, तब उन्हें अपने गांव की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की स्वतंत्रता प्राप्त होती है। इससे गरीबी उन्मूलन, आजीविका संवर्धन, स्वास्थ्य, बाल कल्याण, जल संरक्षण, हरित विकास, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा, सुशासन तथा महिला सशक्तिकरण जैसे लक्ष्यों की प्राप्ति अधिक प्रभावी ढंग से संभव होती है। वास्तव में आत्मनिर्भर पंचायतें ही विकसित भारत की आधारशिला हैं। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा संचालित आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायतों के स्वयं के राजस्व स्त्रोतों को सुदृढ़ बनाकर उनकी वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इस प्रक्रिया में नाबार्ड तथा हुडको जैसी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रहेगी। केवल वही ग्राम एवं जनपद पंचायतें इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकेंगी जिनके पास राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं को सफलतापूर्वक विकसित एवं संचालित करने की पर्याप्त वित्तीय क्षमता और संस्थागत स्थिरता उपलब्ध होगी।आर्थिक रूप से सशक्त पंचायतें ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। इसके लिए पंचायतों को स्थानीय संसाधनों और अवसरों की पहचान कर स्थायी राजस्व सृजन के नवाचारी मॉडल विकसित करने होंगे। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा इस कार्यक्रम का विस्तार पूरे देश में किया गया है। पात्र पंचायतों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने नवाचारों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर, सुशासित और आत्मविश्वासी पंचायतों का निर्माण करना चाहिए। आत्मनिर्भर पंचायत कार्यक्रम स्थानीय परिसंपत्तियों को सतत राजस्व सृजन करने वाली परियोजनाओं में परिवर्तित करेगा और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। *–संकाय सदस्य (पंचायती राज)*

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

संकलित
दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

पति-पत्नी के बीच अविश्वास नहीं होना चाहिए

संकलित
प्रेरणा

शिव जी और सती को रास्ते में श्रीराम दिखाई दिए। श्रीराम सीता के वियोग में रो रहे थे। शिव जी ने श्रीराम को दूर से ही प्रणाम किया और देवी सती से कहा कि तुम भी भगवान को प्रणाम करो। सती ने सोचा कि जो व्यक्ति रो रहा है, वह भगवान कैसे हो सकता है। शिव जी ने समझाया कि आप श्रीराम पर संदेह न करें, वे भगवान ही हैं। शिव जी तो वहां से चले गए, लेकिन देवी सती ने सोचा कि वे श्रीराम की परीक्षा लेंगी। ऐसा सोचकर वे सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं। श्रीराम ने उन्हें पहचान लिया, प्रणाम किया और पूछा कि देवी आप अकेली आई हैं, भगवान शिव कहां हैं। श्रीराम की बात सुनकर सती लज्जित हो गईं और चुपचाप शिव जी के पास लौट आईं। इसके बाद शिव जी ने देवी सती का मानसिक त्याग कर दिया था। इस घटना के कुछ समय बाद देवी सती के पिता ने एक यज्ञ का आयोजन किया था। यज्ञ में दक्ष ने शिव-सती को छोड़कर सभी देवी-देवताओं को बुलाया था। जब ये बात सती को मालूम हुई तो उन्होंने शिव जी से पिता के यहां जाने की अनुमति मांगी। शिव जी ने सती को समझाया कि हमें ऐसे आयोजन में बिना बुलाए नहीं जाना चाहिए, लेकिन सती ने शिव जी की बात नहीं मानी और पिता के यहां यज्ञ में चली गईं। सती जब यज्ञ स्थल पर पहुंची तो दक्ष ने सती के सामने ही शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया। सती ये सहन नहीं सकीं और यज्ञ कुंड में कूदकर देह त्याग दी।

अंतर्मन

आज की पाती

अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग न हो

लोकतंत्रीय व्यवस्था में संविधान के अनुसार हर नागरिक को अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए अभिव्यक्ति/प्रदर्शन व अहिंसक/ शांतिपूर्ण मार्च का अधिकार दिया गया है। किन्तु उसका बेजा उपयोग या दुरुपयोग कानूनी जुर्म होगा। अगर अभिव्यक्ति/प्रदर्शन अहिंसक और शांतिपूर्ण है तो सरकारी कानून-व्यवस्था का अनावश्यक उपयोग भी संविधान के अनुसार गैरकानूनी माना जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में पेपर लीक के मामले में सीजेपी द्वारा छात्रों को लेकर अहिंसक प्रदर्शन/आंदोलन व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संज्ञान लेते हुए यही कहा है कि प्रदर्शनकारी हों या पुलिस, यदि किसी ने भी किसी पर अनावश्यक ज्यादती की है तो वे कानून के दायरे में आएंगे। – *वीरेंद्र कश्यप, रायपुर*

X ट्रेंड

परीक्षा संशोधन विधेयक

लोकसभा ने व्यापक बहस के बाद सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। यह भारत की परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **राजनाथ सिंह**, रक्षामंत्री

हर छात्र का अपमान

रेपिस्ट का बचाव करने वाले व्यक्ति से ज़्यादा घटिया और कोई नहीं हो सकता। प्रह्लाद जोशी हमारे शिक्षा तंत्र और उसमें पढ़ने वाले हर छात्र का अपमान हैं। उनके अधीन संस्थानों में करोड़ों युवतियां पढ़ती हैं। भारत की महिलाएं पीएम मोदी के नए शिक्षा मंत्री को कभी स्वीकार नहीं करेंगी।
- **राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 69 किलोग्राम भारोत्तोलन इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर हरजिंदर कौर और पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने पर गुलवीर सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।
- **नीतीश कुमार**, राज्यसभा सांसद, जदयू

शिक्षा विभाग में खाली पद

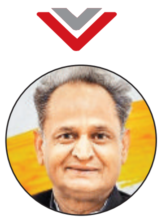

बीजेपी ने अपने 'संकल्प पत्र 2023' के पेज 33 पर लिखित रूप में वादा किया था: "हम शिक्षा विभाग में सभी खाली पदों को एक साल के भीतर भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" आज शिक्षा विभाग में खाली पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है।
- **अशोक गहलोत**, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

पीओके के प्रदर्शनकारी पाक के दुश्मन : रक्षा मंत्री आसिफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों को भारत की तरह दुश्मन बताते हुए कहा है कि उनके साथ कोई बातचीत नहीं की जाएगी। इस बीच, पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 20 हो गई। प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने बुधवार को कहा कि सोमवार से पीओके में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई झड़पों में उसके कम से कम 20 कार्यकर्ता मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की। ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, 'प्रदर्शनकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। मैं उन्हें भारत की ही श्रेणी में मानता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन समझता हूं।' वहीं, प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि जेएएसी ने उनके साथ एक बैठक की थी और अपनी 38 मांगें रखी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद और मीरपुर पर बलपूर्वक कब्जा करना चाहते हैं।

ऑफ बीट

भाषाओं को खत्म कर रहा जलवायु परिवर्तन

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के केलर में रहने वाली पॉलिन स्टेन्सगर का दो मई 2023 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और उनके साथ उनकी भाषा भी खत्म हो गई। पॉलिन 'इन-हा- उम-चीन' भाषा बोलने वाली अंतिम व्यक्ति थीं। वॉशिंगटन राज्य क्षेत्र में अमेरिका के रहने वाले कुछ समूह इस भाषा में बात किया करते थे। पॉलिन के अपनी भाषा के प्रति प्यार को धन्यवाद, जिसकी वजह से हम इस भाषा से पूरी तरह अनजान नहीं हैं। सैलिश स्कूल ऑफ स्पोकाने के प्रधानाचार्य क्रिस्टॉफर पार्किन ने बताया कि पॉलिन स्टेन्सगर ने छह पाठ्यपुस्तकों की रचना की और उनके पास भाषा की 100 से ज्यादा रिकॉर्डिंग हैं। अगर कोई भी 'इन-हा-उम-चीन' सीखना चाहता है तो वह सीख सकता है। लेकिन कुछ विलुप्त भाषाएं, 'इन-हा-उम-चीन' जितनी भाग्यशाली नहीं हैं। हम इन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। दुनिया के कुछ हिस्से भाषाओं के संदर्भ में समृद्ध हैं लेकिन वहां लाखों लोग पर्यावरणीय आपदाओं के चलते विस्थापित होने के लिए मजबूर हैं, जो भाषाओं के विलुप्त होने का एक प्रमुख कारण है। दुनियाभर में आज सात हजार से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, जिनका इतिहास है और इन्हें बोलने वालों के पास इनका ज्ञान भंडार है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

अमेरिका के साथ किए गए इस हमले में 20 की मौत, 32 घायल

मिडिल ईस्ट जंग में सऊदी भी कूदा, इराक में ईरान समर्थित लड़ाकों पर किया हमला

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की भी आधिकारिक रूप से एंट्री हो गई है। सऊदी ने अमेरिका के साथ मिलकर मंगलवार देर रात इराक में ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (पीएमएफ) के लड़ाकों के ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इस हमले में 20 लड़ाकों की मौत हो गई जबकि 32 घायल हुए। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जॉर्डन स्थित अमेरिकी बेस को लक्ष्य करके मिसाइल दागी, लेकिन इसे मार गिराया गया।

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि अमेरिकी और सऊदी बलों ने इराक में उन ठिकानों पर हमले किए, जिनका इस्तेमाल ईरान समर्थित सशस्त्र समूह हाल के दिनों में हमले करने के लिए कर रहे थे। अमेरिका ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिकी सैनिकों या सऊदी अरब के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर आगे भी हमले हुए, तो और कड़ी सैन्य कार्रवाई की जाएगी। सेंटकॉम ने कहा, 'पिछले 72 घंटों में आईआरजीसी के निर्देश पर किए गए 30 से अधिक ड्रोन हमलों के जवाब में अमेरिकी और सऊदी लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इराक में आतंकवादी संगठनों के कई रसद और हथियार भंडारण ठिकानों पर हमला किया।'सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया पर हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि 'सऊदी अरब तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन किसी भी आक्रामक कार्रवाई का जवाब देगा।'

इराकी सेना के अधीन है ईरान समर्थक 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज'

पीएमएफ ने लड़ाकों के मरने की की पुष्टि

'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज' (पीएमएफ), जो मुख्य रूप से शिया और ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों का गठबंधन है तथा औपचारिक रूप से इराकी सेना के अधीन है, ने दावा किया कि रातभर चले हवाई हमलों में उसके 20 लड़ाके मारे गए और 32 घायल हुए। सऊदी अरब ने मंगलवार को कहा था कि उसने लगातार दूसरे दिन इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया द्वारा दागे गए ड्रोन मार गिराए।

इराकी पीएम ने बुलाई आपात बैठक

इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने इन हमलों पर चर्चा के लिए बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कुछ दिनों से अपेक्षाकृत शांति का दौर था। लगभग तीन दिनों तक दोनों देशों की ओर से किसी नए हमले की घोषणा नहीं हुई थी।

होर्मुज में और बढ़ा तनाव

इससे पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर कई सप्ताह तक तनाव बना हुआ था। यह वही रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार होता है। यह संघर्ष ऐसे समय फिर भड़क उठा है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहे हैं। हाल के सप्ताहों में संघर्ष में चार अमेरिकी सैनिकों की मौत हो चुकी है, जबकि पेंटागन ने युद्ध की बढ़ती लागत के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त धन की मांग की है।

जार्डन ने ईरान की पांच मिसाइलों को मार गिराया

इधर, अमेरिका और सउदी के हमले के जवाब में ईरान ने भी जार्डन स्थित अमेरिकी बेस को निशाना बनाया था। जॉर्डन की सेना ने कहा कि देश की हवाई रक्षा प्रणाली ने बुधवार तड़के ईरान से दागी गईं पांच मिसाइलों को बीच रास्ते में ही मार गिराया। यह घटना अमेरिकी सेना द्वारा पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर दागी गईं ईरानी मिसाइलों को निष्क्रिय करने और इराक में ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों के ठिकानों पर सऊदी अरब के साथ संयुक्त हवाई हमले किए जाने के कुछ ही घंटों बाद हुई। जॉर्डन की सेना ने कहा कि 'सभी पांच मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोककर नष्ट कर दिया गया।'

महाप्रभु जगन्नाथ फिल्म को सुप्रीम कोर्ट ने दी हरी झंडी

ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन बंद करनी पड़ेगी रामायण-महाभारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' को लेकर छिड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया। इतना ही नहीं, सुनवाई के दौरान अदालत ने ऐसी याचिकाओं पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर हर बार किसी की भावनाएं आहत होने के नाम पर फिल्मों और कला पर रोक लगाई जाएगी, तो एक दिन रामायण, महाभारत और हिंदू देवी-देवताओं पर बनने वाली हर फिल्म, टीवी शो, पेंटिंग और मूर्ति तक बंद करनी पड़ेगी।

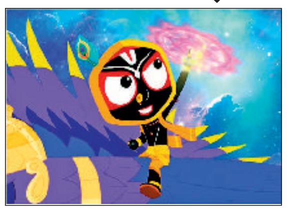

'जगन्नाथ को डोरेमोन और स्पाइडरमैन बना दिया'

सुनवाई के दौरान ओडिशा सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल ने दलील दी कि फिल्म में भगवान जगन्नाथ को 'डोरेमोन' और 'स्पाइडरमैन' जैसे अंदाज में दिखाया गया है, जो आपत्तिजनक है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक एनिमेटेड फिल्म है, जो बच्चों के लिए बनाई गई है। सिर्फ एनिमेशन स्टाइल में दिखाने भर से इसे अपमानजनक नहीं माना जा सकता। बेंच ने साफ कहा कि फिल्म देखने के बाद ऐसा नहीं लगता कि इससे भगवान जगन्नाथ के प्रति लोगों की आस्था या श्रद्धा कम होती है।

यह है मामला

दरअसल, 15 जुलाई को ओडिशा हाई कोर्ट ने 'महाप्रभु जगन्नाथ' की देशभर में रिलीज पर रोक लगा दी थी। हाई कोर्ट का कहना था कि फिल्म स्कंद पुराण में वर्णित तथ्यों का पूरी तरह पालन नहीं करती। फिल्म बनाने वाली कंपनी ईलई एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड सुप्रीम कोर्ट पहुंची। 17 को सुप्रीम कोर्ट ने रथ यात्रा के दौरान फिल्म रिलीज करने की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन यह साफ कर दिया था कि 28 जुलाई को रथ यात्रा खत्म होने के बाद फिल्म रिलीज की जा सकती है। अब बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने रिलीज रोकने की नई मांग भी खारिज कर दी है। यानी फिल्म का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

पुराने वाहनों में ई20 ईंधन का इस्तेमाल चिंताजनक : केजरी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि वाहन निर्माता कंपनियां सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करने से बच रही हैं कि वर्ष 2023 से पहले निर्मित पेट्रोल वाहनों के लिए ई20 ईंधन उपयुक्त है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियां इस मामले में केंद्र सरकार के दबाव में हैं। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने 29 वाहन निर्माता कंपनियों को पत्र लिखकर पूछा है कि क्या 2023 से पहले निर्मित पेट्रोल वाहनों में ई20 ईंधन का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने यह भी जानना चाहा कि यदि ईंधन के कारण वाहन को नुकसान पहुंचता है या उसके 'माइलेज' पर प्रतिकूल असर पड़ता है, तो क्या कंपनियां मरम्मत का खर्च उठाएंगी या उपभोक्ताओं को क्षतिपूर्ति देंगी।

एक्स से भी मांगी अकाउंट होल्डर की पर्सनल डिटेल

पीएम मोदी को गाली देने वाले अब नहीं बचेंगे, दिल्ली पुलिस भेज रही नोटिस

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट के दौरान सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एक्शन शुरू कर दिया है। दरअसल, दिल्ली पुलिस पीएम और सुरक्षाबलों को गाली-गलौज देने वाले सोशल मीडिया हैंडलों को नोटिस जारी कर रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एक FIR दर्ज की है जिसके आधार पर एक्स से भी उन सोशल मीडिया अकाउंट की जानकारी मांगी गई है जिन्होंने सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान पीएम और सुरक्षाबलों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था।

दिल्ली और बाहर के राज्यों के लोग हैं निशाने पर

रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने राजधानी के अलावा अन्य दूसरी जगहों से भी आए ऐसे प्रदर्शनकारियों की पहचान करना शुरू कर दिया है जिन्होंने प्रोटेस्ट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिक्योरिटी फोर्स को टारगेट करने वाले गाली-गलौज वाले पोस्ट सोशल मीडिया पर डाले थे। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया अकाउंट के साथ-साथ ऐसे न्यूज पोर्टल को भी नोटिस जारी किया है। हालांकि कितने सोशल मीडिया अकाउंट को नोटिस जारी किया गया है ये जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने यह एक्शन प्रोटेस्ट के दौरान और बाद में अपलोड किए गए कंटेंट के रिव्यू के बाद शुरू किया है।

दिल्ली पुलिस ने एक्स से मांगी यह जानकारी

एक्सप्रेस के मुताबिक, एफआईआर इस शिकायत पर दर्ज की गई कि 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संवैधानिक प्रमुखों को टारगेट करके गलत, दुर्भावनापूर्ण और बदनाम करने वाला कंटेंट शेयर किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक्स (पहले ट्विटर) से कहा है कि वह प्लेटफॉर्म से कथित पोस्ट या वीडियो तुरंत डिलीट कर दे। पुलिस ने ऐसे एक्स अकाउंट को हैंडल करने वालों का नाम, पता, कॉन्टैक्ट डिटेल्स और ईमेल आईडी जैसी पूरी जानकारी भी मांगी है।

वंदे मातरम बिल राज्यसभा से हुआ पारित, अपमान पर 3 साल की होगी जेल

बिल पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने किया सदन से वॉकआउट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ससंद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में वंदे मातरम से संबंधित 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। संशोधन के तहत अगर कोई वंदे मातरम के गाए जाने के दौरान जानबूझकर उसका अपमान करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल हो जाएगी। जन-गण-मन की तरह सारा प्रोटोकॉल वंदे मातरम के लिए भी लागू होगा। वंदे मातरम बिल पर हुई को लेकर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि बिल में किया गया संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है। उन्होंने कहा कि यह भारत की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ध्वनिमत से पारित हुआ कानून

राज्यसभा में वंदे मातरम बिल पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया था। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप), बीजू जनता दल (बीजद), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया, जिसके बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी मिल गई।

शाह से स्पष्टीकरण को लेकर विपक्ष का हंगामा : लंच के बाद उपसभापति हरिवंश ने कार्यसूची में शामिल राष्ट्र गौरव अपमान निवारण विधेयक, 2026 पर चर्चा शुरू कराई। विपक्षी दलों ने राजधानी में नीट पेपर लीक के प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में जब केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले विधेयक पर बोल रहे थे, तब विपक्षी दल सदन से वॉकआउट कर गए। संशोधन विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय गीत को भी उसी तरह कानूनी सुरक्षा देना है, जैसी सुरक्षा राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान को पहले से प्राप्त है।

बरसात के दिनों में खान-पान में की गई जरा-सी लापरवाही आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए इस मौसम में अपनी डाइट में पौष्टिक, संतुलित और स्वच्छ खाद्य पदार्थों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

रेनी सीजन के लिए कैसा हो डाइट प्लान

डाइट सजेशन

शिखर चंद जैन

मानसून या बरसात का मौसम गर्मी से राहत तो लाता है, लेकिन अपने साथ कई तरह की बीमारियां और स्वास्थ्य चुनौतियां भी लेकर आता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में शरीर की जठराग्नि कमजोर हो जाती है, जिससे पाचन तंत्र संवेदनशील हो जाता है। इसलिए डाइट को लेकर सजग रहना जरूरी है।

दिन की शुरुआत: विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के मौसम में सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय गुनगुने पानी, नीबू पानी या हर्बल काढ़े से करनी चाहिए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अदरक, तुलसी, काली मिर्च और दालचीनी से बना काढ़ा एंटी-माइक्रोबियल गुणों से भरपूर होता है। यह आपके श्वसन तंत्र को साफ रखता है और मौसमी फ्लू से बचाता है। अदरक में मौजूद 'जिंजरोल' नामक तत्व सूजन और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

उबला पानी ही पिएं: बरसात के दिनों में सबसे ज्यादा बीमारियां दूषित पानी के कारण होती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार, इस मौसम में पानी को कम से कम 10 मिनट तक उबालकर और ठंडा करके ही पीना चाहिए। उबलने से पानी में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। लोग अकसर इस मौसम में प्यास कम लगने के कारण कम पानी पीते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास उबला हुआ पानी जरूर पिएं ताकि टॉक्सिंस बाहर निकल सकें।

सुपाच्य-गर्म नाश्ता: मानसून में सुबह का नाश्ता हल्का, सुपाच्य और ताजा होना चाहिए। शोध बताते हैं कि ठंडा या रखा हुआ खाना बैक्टीरिया के पनपने का मुख्य केंद्र होता है। अपने नाश्ते में दलिया, ओट्स, पोहा या सूजी का उपमा शामिल करें। इनमें फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को साफ रखती है। इसमें थोड़ी-सी हल्दी और राई का तड़का लगाएं, जो अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जाने जाते हैं।

मौसमी फल: फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन बरसात में फल चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, तरबूज या खरबूजा जैसे अत्यधिक पानी वाले फलों से इस मौसम में बचना चाहिए, क्योंकि ये जल्दी खराब होते हैं। इसके बजाय सेब, नाशपाती, अनार, पपीता और जामुन जैसे फलों को प्राथमिकता दें। जामुन में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और यह पाचन क्रिया को सुधारता है। ध्यान रहे कि फलों को काटने के तुरंत बाद खा लें, उन्हें लंबे समय तक काटकर खुला न छोड़ें।

मौसमी सब्जियां: आमतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियों को सेहतमंद माना जाता है, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े, लार्वा और फंगस लगने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन के शोध बताते हैं कि इस मौसम में पत्तागोभी, पालक और ब्रोकली की परतों में छिपे बैक्टीरिया धोने के बाद भी पूरी तरह नहीं निकलते। इसकी जगह लौकी, तोरई, कद्दू, टिंडा और परवल जैसी बेल वाली सब्जियों का सेवन करें। ये सब्जियां हल्की होती हैं और पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालतीं।

छाछ, दही और कांजी: पाचन तंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए आंतों के अच्छे बैक्टीरिया का स्वस्थ होना जरूरी है। न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, दोपहर के भोजन में घर का जमा हुआ ताजा दही या जीरा-हींग युक्त छाछ शामिल करें। प्रोबायोटिक्स आंतों की परत को मजबूत करते हैं और संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया को पेट में टिकने नहीं देते।

एंटी-बैक्टीरियल मसाले: भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले प्राकृतिक दवा की तरह काम करते हैं। बरसात के दिनों में खाना बनाते समय हल्दी, जीरा, धनिया, मेथी दाना, हींग और लहसुन का प्रयोग थोड़ा बढ़ा दें। *

(डायटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. विनोद चवन
सीनियर पल्मोनोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

ऑक्सीजन को शरीर के समस्त अंगों तक फेफड़े ही पहुंचाते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप आपके जीवन का सफर आगे बढ़ता रहता है, किंतु शरीर का यह महत्वपूर्ण अंग जब कैंसरग्रस्त होता है, तब जीवन पर संकट के बादल छाने लगते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार भारत में पुरुषों में अन्य अंगों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर के सर्वाधिक मामले सामने आते हैं। लंग कैंसर दो प्रकार के होते हैं-

नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर: ये फेफड़ों के कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। लंग्स कैंसर के ज्यादातर मामले एनएससीएलसी से संबंधित होते हैं।

स्मॉल सेल लंग कैंसर: नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर की तुलना में स्मॉल सेल लंग कैंसर (एससीएलसी) कहीं अधिक तेजी से बढ़ता है और इसका इलाज करना कठिन होता है।

लंग कैंसर के कारण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 80 प्रतिशत मामले विभिन्न रूपों में धूम्रपान के कारण सामने आते हैं। धूम्रपान के अतिरिक्त जो लोग धूम्रपान करने वाले लोगों के संपर्क में आते हैं, उनमें भी कालांतर में फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट रहने वाले को पैसिव स्मोकर कहा जाता है।

जेनेटिक गड़बड़ी: धूम्रपान से शरीर में ऐसे तमाम केमिकल्स फेफड़ों में जाते हैं, जो कालांतर में जींस में गड़बड़ी उत्पन्न करते हैं और यह स्थिति एक अर्से बाद कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। वहीं जिन लोगों के परिवार के सदस्यों में फेफड़ों का कैंसर अतीत में रहा हो, उनमें लंग कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण से बढ़े रिस्क: शहरों में सड़कों पर वाहनों का धुआं भी लोगों के फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति कालांतर में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा रही है। देश के अनेक महानगरों और छोटे शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) दिनोंदिन खराब होता जा रहा है। जिस सूचकांक को 100 के अंदर होना चाहिए वह लगभग 200 के पार और अनेक बड़े शहरों में 400 के पार तक पहुंच जाता है।

स्पेशल: वर्ल्ड लंग कैंसर-डे, 1 अगस्त

जब फेफड़ों के किसी भाग या टिश्यूज में स्थित कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं, तब फेफड़ों के किसी भाग में गांठ (नोड्यूल) बनना शुरू हो जाती हैं, जो बाद में फेफड़े के कैंसर का कारण बनती है। इसके होने के कई कारण हैं। लेकिन समय पर पता लगने पर अब इसका ट्रीटमेंट संभव है। लंग कैंसर से जुड़ी उपयोगी जानकारी आपको यहां दे रहे हैं।

लाइलाज नहीं रहा लंग कैंसर

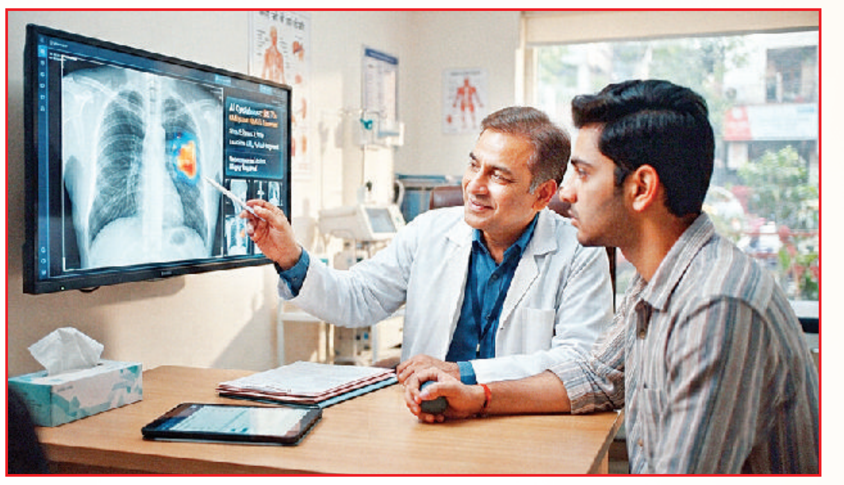

लंग कैंसर के प्रमुख लक्षण

- मामूली शारीरिक परिश्रम करने पर भी सांस फूलने लगती है या सांस लेने में दिक्कत होना।
- गहरी सांस लेते समय सीने में दर्द होना।
- लगातार बनी रहने वाली खांसी जो लगभग तीन से चार हफ्ते से जारी हो। खांसी की आमतौर पर ली जाने वाली दवाओं के सेवन के बाद भी इस समस्या का बढ़ते जाना।

- खांसने पर या बलगम में खून आना।
- किसी कारण के बिना वजन का कम होना।
- हमेशा लो एनर्जी फील करना, बेवजह बहुत थकान महसूस होना।
- निगलने में दिक्कत और आवाज बैठना।
- सीने में घरघराहट महसूस होना।

हालांकि उपरोक्त लक्षणों का होना इस बात का सूचक नहीं है कि आपको फेफड़े का कैंसर है। इनमें से कई लक्षण अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी संबंधित हो सकते हैं। बावजूद इसके यदि आपको इनमें से कोई लक्षण कुछ हफ्तों तक महसूस हों, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

कैंसर की अवस्थाएं

स्टेज 1: जब कैंसर की गांठ या नोड्यूल फेफड़े के किसी एक निश्चित भाग तक ही सीमित रहता हो।

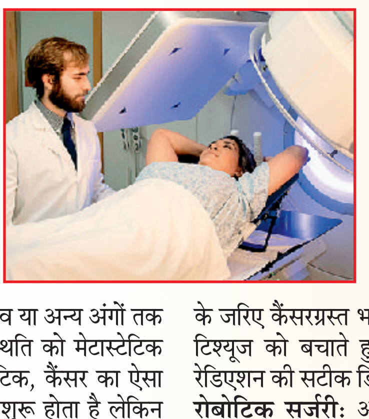

स्टेज 2: जब कैंसर फेफड़े के अंदर लिंफ नोड्स तक फैल गया हो या फेफड़े के एक ही लोब में एक से अधिक गांठें हों।

स्टेज 3: कैंसर जब दूसरे फेफड़े में फैल चुका हो।

स्टेज 4: कैंसर जब फेफड़े और दिल के आस-पास के द्रव या अन्य अंगों तक फैल चुका हो। इस गंभीर स्थिति को मेटास्टेटिक लंग कैंसर कहते हैं। मेटास्टेटिक, कैंसर का ऐसा प्रकार है, जो एक फेफड़े में शुरू होता है लेकिन दूसरे फेफड़े या अन्य अंगों में फैल जाता है। फेफड़ों के ऐसे कैंसर का इलाज उस कैंसर की तुलना में कहीं ज्यादा जटिल होता है, जो अपने मूल स्थान से बाहर किसी दूसरे अंगों तक नहीं फैला होता है।

डायग्नोसिस के तरीके

इसके डायग्नोसिस के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, सीने का एक्स-रे, एमआरआई, पैट सीटी स्कैन और सीटी स्कैन शामिल हैं। इसके अलावा ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, स्प्यूटम टेस्ट, बायोप्सी और ब्रॉन्कोस्कोपी आदि जांचें भी कराई जाती हैं।

इलाज के तरीके हैं कई

विशेषज्ञ डॉक्टर फेफड़े के कैंसर से ग्रस्त मरीज के उपचार की प्रक्रिया का निर्धारण उसके कैंसर की स्टेज, उसकी शारीरिक स्थिति और उम्र आदि बातों के मद्देनजर सुनिश्चित करते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हुई चमत्कारिक प्रगति के कारण अब सर्जिकल प्रक्रिया अतीत की तुलना में मरीज के लिए कहीं ज्यादा लाभदायक हो चुकी है। यही बात कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी के संदर्भ में भी लागू होती है।

सर्जरी: इसके अंतर्गत फेफड़े के कैंसरग्रस्त भाग या प्रभावित टिश्यू को सर्जरी के जरिए निकाला जाता है। जब कैंसरग्रस्त भाग एक ही जगह पर हो और वह शरीर के अन्य भागों में नहीं फैला हो, तब सर्जरी की जाती है।

रेडिएशन थेरेपी: इसके अंतर्गत प्रोटॉन थेरेपी, लीनियर एक्सिलरेटर्स, 'गामा नाइफ' और 'साइबर नाइफ' आदि का इस्तेमाल किया जाता है। अब आधुनिक रेडिएशन थेरेपी के जरिए कैंसरग्रस्त भाग के आस-पास के स्वस्थ टिश्यूज को बचाते हुए कैंसरग्रस्त टिश्यूज तक रेडिएशन की सटीक डिलीवरी संभव है।

रोबोटिक सर्जरी: अब रोबोट की सहायता से मिनिमल इनवेसिव सर्जरी संभव है, जिससे मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

कीमोथेरेपी: मेडिकल साइंस में हुए शोध-अनुसंधानों के कारण कीमोथेरेपी में नई दवाएं शामिल हो चुकी हैं, जिनके कारण मरीज को अब कम 'साइड और आफ्टर इफेक्ट' सहने पड़ते हैं।

इम्यूनोथेरेपी: मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति होती है, जिसे इम्यूनिटी कहा जाता है। मेडिकल साइंस के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में कैंसर से लड़ने की इम्यूनिटी होती है, जो शरीर में कैंसरस कोशिकाओं को खत्म कर देती है। इम्यूनोथेरेपी के लिए इंजेक्शन आते हैं, जिन्हें कैंसर विशेषज्ञ के परामर्श से लगाया जाता है। ऐसे इंजेक्शंस इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फेफड़ों के कैंसर से संभव है बचाव

धूम्रपान से बचें: एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान छोड़ने से आपके फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। अगर धूम्रपान छोड़ने में आपको दिक्कत हो रही है, तो अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

पैसिव स्मोकिंग से बचें: अगर आप धूम्रपान करने वाले लोगों के निकट संपर्क में रहते हैं तो ऐसी स्थिति में भी आप उनके द्वारा वातावरण में छोड़ी गई सांस ग्रहण कर सकते हैं, जिसे सेकेंड हैंड स्मोकिंग या पैसिव स्मोकिंग भी कहते हैं, जो अत्यंत नुकसानदेह है।

बचें वाहनों के धुएं से: वाहनों से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड पाया जाता है, जो फेफड़ों के लिए अत्यंत नुकसानदेह है। इसलिए वाहनों के प्रदूषण और अन्य प्रदूषित माहौल से बचने के लिए मास्क पहनें।

जरूरी है हेल्दी लाइफस्टाइल: हेल्दी लाइफस्टाइल से कैंसर के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अंतर्गत संतुलित पौष्टिक खान-पान, व्यायाम और तनाव प्रबंधन आदि शामिल हैं। खान-पान में हरी सब्जियों, फलों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें।

मोटापे से बचे रहें: मोटापा हृदय रोग और मधुमेह को ही नहीं, बल्कि कैंसर के जोखिम को भी बढ़ा देता है। मोटापे को दूर करने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें और अपने खान-पान में नमक, चीनी और अत्यधिक चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थ और उत्पादों का कम से कम सेवन करें। मोटापे के संदर्भ में 'बीएमआई' के बारे में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

प्रिकॉशन

डॉ. एम. वली
सीनियर फिजीशियन
सर गंगा राम अस्पताल, दिल्ली

हाल में कुछ प्रदेशों में कोरोना संक्रमण के कुछ मामले सामने आए। इससे लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस मामले में बिना घबराए हुए कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना सबसे जरूरी है। इस बारे में और डिटेल में जानिए।

सामने आए हैं कोरोना के कुछ मामले रहें पूरी तरह सतर्क-बरतें सावधानी

हाल ही में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित कुछ राज्यों में आए कोविड-19 के नए मामलों की खबर सुर्खियों में रहीं। इनमें अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं, जबकि कुछ बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। आंध्र प्रदेश में चार ऐसे मरीजों की मौत ने चिंता बढ़ा दी है।

डरें नहीं-सजग रहें: स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि कोरोना संक्रमित अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण पाए गए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत की वजह केवल कोरोना संक्रमण नहीं, को-मॉबलिटी थीं। यानी ये मरीज पहले से ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फेफड़ों की बीमारी, किडनी की बीमारी और दूसरी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। कमजोर इम्यूनिटी के कारण कोरोना की जंग में वे हार गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड अब पेंडेमिक नहीं, बल्कि एंडेमिक स्टेज में पहुंच गया है। कभी पूरी तरीके से खत्म नहीं होगा। हमें कोरोना के साथ जीना है। करोना जाएगा नहीं, कोरोना के साथ रहना है। हम अकसर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करना भूल जाते हैं, जिसकी वजह से कोरोना के मामले देखने को मिलते हैं। कोविड-19 अब इंफ्लूएंजा (फ्लू) जैसे श्वसन संक्रमणों की श्रेणी में शामिल होता जा रहा है, जो मौसम के अनुसार समय-समय पर बढ़ सकते हैं। जैसे हर साल मौसम बदलने पर सर्दी-जुकाम या फ्लू के मामले आते हैं। वैसे ही अब कोविड के भी छिटपुट मामले समय-समय पर सामने आते रहेंगे।

नए केसेस आने की वजह: साल 2020 से 2022 तक पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला एसएआरएस-कॉव-2 वायरस म्यूटेशन के बाद समय-समय पर अपना स्वरूप बदलता रहता है। इसी कारण इसके नए वैरिएंट सामने आते रहते हैं। आंध्र प्रदेश में मिले अधिकांश संक्रमण ओमिक्रॉन परिवार से जुड़े हैं। इनकी आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के रूप में पहचान हुई है। लेकिन इन्हें 2020-21 जैसी गंभीर महामारी का संकेत नहीं माना जा रहा है। अधिकांश संक्रमण हल्के हैं और अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि आरएफ-5 ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट पहले के कोरोना वैरिएंट्स से अधिक घातक हैं। फिर भी, वायरस के लगातार बदलते स्वरूप को देखते हुए सतर्क रहना, लक्षण होने पर जांच कराना और विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है।

किन्हें है रिस्क: सबसे ज्यादा खतरा उन लोगों को है, जो कमजोर इम्यूनिटी वाले यानी छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग हैं। या फिर जो पहले से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, सीओपीडी जैसी फेफड़ों की पुरानी बीमारी, हाइपरटेंशन, किडनी की बीमारी या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं। इन लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

कोरोना वैक्सीन कितनी प्रभावी: पहले कोरोना वैक्सीन लगवा चुके लोगों को आज भी संक्रमण होने की संभावना हो सकती है। चूंकि वायरस समय के साथ बदलता रहता है और वैक्सीन से बनी संक्रमण-रोधी इम्यूनिटी या एंटीबॉडी भी धीरे-धीरे कम हो सकती है। फिर भी अधिकांश मामलों में यह वैक्सीन कोरोना से बचाव का सुरक्षा कवच है। यह भले ही इंफेक्शन को पूरी तरीके से न रोक पाए, लेकिन यह गंभीर बीमारी, अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु के जोखिम से काफी हद तक बचाने में मदद करती है।

कैसे करें बचाव

- कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।
- भीड़-भाड़ में दूसरों से दूरी बनाए रखें।
- भीड़-भाड़ वाली जगह जाना जरूरी हो, तो मास्क जरूर पहनें।
- हाथों की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। समय-समय पर साबुन से हाथ धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- वैक्सीनेशन को नजरअंदाज बिल्कुल न करें। अगर आप हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं तो वैक्सीनेशन को लेकर अपने डॉक्टर से बात जरूर करें। या फिर अगर इंटरनेशनल ट्रैवल पर जा रहे हों, तब बूस्टर डोज जरूर लगवाएं।

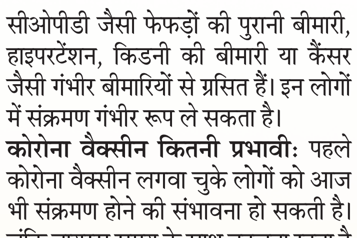

- संतुलित आहार खाएं। मौसमी और ताजे फल ज्यादा खाएं।
- नियमित वॉक करें, एक्सरसाइज करें, डीप ब्रीदिंग करें, प्राणायाम करें।
- अगर बुखार, खांसी या सांस लेने में दिक्कत हो तो डॉक्टर से सलाह लें।

क्या हैं लक्षण: संक्रमित व्यक्ति को इंफ्लूएंजा के समान लक्षण हो रहे हैं जैसे- मांसपेशियों में दर्द, बदन दर्द, बुखार, खांसी आना, नाक बहना या कंजेशन होना, गला खराब होना, कमजोरी, थकान, स्वाद और गंध में बदलाव। ध्यान न देने पर निमोनिया भी हो सकता है।

कब जाएं डॉक्टर के पास: अगर बुखार तीन से पांच दिन तक बना रहे, लगातार खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ हो, ऑक्सीजन स्तर कम हो, सीने में दर्द या गंभीर कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। जल्दी पता चलने से न सिर्फ इलाज आसान होता है, बल्कि संक्रमित व्यक्ति अनजाने में दूसरों को संक्रमित करने से भी बचता है।

कैसे होता है उपचार: फिलहाल कोरोना के इस नए वैरिएंट के लिए कोई अलग या विशेष दवा उपलब्ध नहीं है। उपचार रोग की गंभीरता और मरीज के जोखिम के आधार पर किया जाता है। उपचार के दौरान जरूरी है कि संक्रमित व्यक्ति और उसके नजदीकी लोग कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें।

संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट किया जाता है। अधिकांश हल्के मामलों में मरीज के लक्षणों के अनुसार (सिंप्टोमैटिक) उपचार ही किया जाता है। यानी घर पर आराम करने, बुखार या दर्द (जैसे पैरासिटामोल), खांसी की दवा लेने, संतुलित-पोषक-सुपाच्य आहार लेने और पर्याप्त पानी पीने संबंधी सलाह दी जाती है। कोरोना का सेल्फ-लिमिटिंग नेचर (शरीर की प्रतिरक्षा के कारण स्वतः नियंत्रित होने वाला संक्रमण) होने के कारण अधिकांश मरीज 6-7 दिन में स्वस्थ हो जाते हैं। जबकि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी या कमजोर प्रतिरक्षा वाले हाई रिस्क कैटेगरी के मरीजों को विशेष निगरानी और चिकित्सकीय उपचार की जरूरत पड़ सकती है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर विशेष एंटीवायरल दवाएं भी दी जाती हैं। समय पर शुरू किया गया उपचार बीमारी के गंभीर रूप लेने के जोखिम को कम कर सकता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

मिनिमम बैलेंस न रखने पर बैंकों की चांदी, ग्राहकों से वसूले 7,086 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिनिमम बैलेंस न रखने वाले ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर बैंक हर साल मोटी कमाई कर रहे हैं। संसद में पेश ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में बैंकों ने पेनल्टी के नाम पर आम जनता से हजारों करोड़ रुपए वसूल डाले हैं।

- सबसे ज्यादा रकम एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों से वसूली

इस पेनाल्टी वसूली में कई बड़े बैंकों का दबदबा रहा है, जिन्होंने ग्राहकों से भारी भरकम रकम जुटाकर अपने खजाने भरे हैं। मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर देश के सरकारी और प्राइवेट बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में ग्राहकों से कुल 7,087 करोड़ रुपए वसूले हैं। संसद में सरकार ने इसकी जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा रकम एचडीएफसी बैंक ने वसूली है।

ग्राहकों पर जुर्माना लगाकर मोटी कमाई कर रहे बैंक

प्राइवेट बैंकों ने वसूले सबसे ज्यादा पैसे

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में प्राइवेट सेक्टर बैंकों ने करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रखने पर ग्राहकों से 4,948.71 करोड़ रुपए वसूले। वहीं पब्लिक सेक्टर बैंकों ने इसी वजह से 2,137.92 करोड़ रुपए जुटाए। इस तरह दोनों मिलाकर बैंकों ने 7,086 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली की।

सरकारी बैंकों की हालत बेहतर सरकार का दावा

एक दूसरे सवाल के जवाब में पंकज चौधरी ने कहा कि पब्लिक सेक्टर बैंकों की वित्तीय स्थिति पहले के मुकाबले काफी मजबूत हुई है। बैंकों की बैलेंस शीट बेहतर हुई है, मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है और ग्रॉस एनपीए कई दशक के सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सेक्टर में क्रेडिट ग्रोथ भी लगातार बनी हुई है। मंत्री ने यह भी बताया कि वेस्ट एशिया संकट की वजह से कारोबार में आई शॉर्ट टर्म लिक्विडिटी की दिक्कत को दूर करने के लिए सरकार ने मई 2026 में इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम 5.0 शुरू की थी।

एक्सिस बैंक दूसरे नंबर पर

आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए मंत्री ने बताया कि प्राइवेट बैंकों में एचडीएफसी बैंक ने सबसे ज्यादा 1,798.14 करोड़ रुपए वसूले। इसके बाद एक्सिस बैंक का नंबर रहा, जिसने 1,081.33 करोड़ रुपए जुटाए। सिर्फ इन दोनों बैंकों ने मिलकर 2,879.47 करोड़ रुपए वसूले, जो 19 प्राइवेट बैंकों की कुल वसूली का 58 प्रतिशत है।

इन खातों पर नहीं लगता कोई चार्ज

सरकार ने साफ किया कि बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट पर किसी तरह का पेनल्टी चार्ज नहीं लिया जाता। इसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं। यानी इन खातों के ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस नहीं रखने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ता।

खबर संक्षेप

आईनॉक्स विंड को मिला 1,600 करोड़ रुपए का ठेका

नई दिल्ली। आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) को एनएलसी इंडिया लिमिटेड से करीब 1,600 करोड़ रुपये का 200 मेगावाट का ठेका मिला है। इसे ठेका मिलने की तारीख से 24 महीने के भीतर पूरा किया जाएगा। करीब 1,600 करोड़ रुपये के इस ठेके का पूरा काम यानी शुरू से अंत तक कंपनी ही पूरा करेगी।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.66 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत होकर 16 पैसे की बढ़त के साथ 95.66 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में जोरदार लिवाली, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों के अनुकूल स्तर पर बने रहने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया।

एशियन पेंट्स का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,559 करोड़ रुपए

asianpaints

नई दिल्ली। एशियन पेंट्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 1,559.45 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी ने 1,117 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। आय 18 प्रतिशत बढ़कर 10,541.94 करोड़ रुपये रही।

आरडी इंडस्ट्रीज का आईपीओ पांच अगस्त को खुलेगा

RDIndustries GEARBOX MANUFACTURER

नई दिल्ली। आरडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 426 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पांच अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने बुधवार को सार्वजनिक घोषणा में बताया कि इसके लिए मूल्य दायरा 50-53 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 1,671 करोड़ रुपये होगा।

केपीआईटी टेक्नोलॉजीज का लाभ 32 फीसदी घटा

नई दिल्ली। परिवहन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी केपीआईटी टेक्नोलॉजीज का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 31.83 प्रतिशत घटकर 117.17 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। 2025-26 की समान तिमाही में 171.89 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

जम्मू एंड कश्मीर बैंक का शुद्ध लाभ घटकर 429 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। जम्मू एंड कश्मीर बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 11.5 प्रतिशत घटकर 428.80 करोड़ रुपये रहा है। निजी क्षेत्र के इस बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 484.53 करोड़ रुपये था। शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 3,765 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,521 करोड़ रुपये थी।

राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में मजबूत वृद्धि : इंडिया रेटिंग्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उच्च घरेलू खपत और बड़े सेवा क्षेत्र की मौजूदगी के कारण महाराष्ट्र को जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के कर राजस्व में सबसे बड़ा हिस्सा मिला है।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने बुधवार को एक रिपोर्ट में यह कहा।एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी ने 17 तरह के कर और 13 उपकरों (सेस) को एकीकृत कर केंद्र और राज्यों की अलग-अलग कर दरों तथा कर संरचना को सरल बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद से माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) ने राज्यों के कर राजस्व और कर उछाल में उल्लेखनीय वृद्धि की है। कर उछाल से आशय अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है।

- महाराष्ट्र को कर राजस्व का सबसे बड़ा हिस्सा मिला
- एक जुलाई 2017 से लागू जीएसटी में 17 तरह के कर व 13 सेस एक किए
- अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मुकाबले कर संग्रह क्षमता में तेज वृद्धि से है

अध्ययन में 26 राज्य शामिल

इंडिया रेटिंग्स की अर्थशास्त्री एवं निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि अध्ययन में शामिल 26 राज्यों का कर उछाल जीएसटी लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2017-18 से 2025-26 के दौरान बढ़कर 2.9 हो गया।

करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.65 करोड़

रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य जीएसटी में उल्लेखनीय वृद्धि का कारण कर प्रणाली का सरलीकरण, प्रौद्योगिकी और आंकड़ा विश्लेषण का बेहतर उपयोग, कर अनुपालन में सुधार तथा करदाताओं की संख्या 2017 के 67 लाख से बढ़कर मई, 2026 में 1.65 करोड़ होना है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के संगठित होने की प्रक्रिया को भी दर्शाता है।

उपभोग आधारित कर व्यवस्था लागू

इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि इसका प्रमुख कारण उत्पादन आधारित कर प्रणाली के स्थान पर उपभोग आधारित कर व्यवस्था का लागू होना, सेवा क्षेत्र को कर दायरे में शामिल करना तथा कर चोरी पर प्रभावी रोक लगना है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2012-13 से 2016-1717 के दौरान राज्यों का कर राजस्व 6.8 प्रतिशत बढ़कर 3.7 लाख करोड़ रुपये रहा था।

राज्यों के कर राजस्व संरचना में बदलाव आया

रिपोर्ट में कहा गया कि अधिक कर संग्रह अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ने, कर व्यवस्था की बेहतर निगरानी और करदाताओं के अनुपालन में सुधार का संकेत है। इसमें कहा गया है कि जीएसटी लागू होने से पहले और बाद में राज्यों के कर राजस्व की संरचना में बदलाव आया। हालांकि, महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों अवधियों में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने रहे।

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 प्रतिशत

महाराष्ट्र की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-17 के 17.6 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2018-26 में 20.4 प्रतिशत हो गई।

शेयर बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- निफ्टी 24,250 अंक के पार
- विदेशी निवेशकों ने किया ताजा निवेश
- आईटी और एचडीएफसी बैंक में रही खरीदी

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को जोरदार तेजी आई और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों के ताजा पूंजी प्रवाह, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों और एचडीएफसी बैंक के शेयर में लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 889 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 265 अंक की तेजी रही।

तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 888.68 अंक चढ़कर 77,654.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 999.57 अंक चढ़कर 77,765.49 अंक तक पहुंच गया था। वहीं निफ्टी 264.85 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,250.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 4.70 प्रतिशत चढ़ा जबकि इन्फोसिस में 4.50 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा ट्रेंट, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 3.19 प्रतिशत की गिरावट आई। महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एनटीपीसी के शेयर में भी गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 755.33 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना स्थिर, चांदी में 500 रुपए का सुधार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सोना 1.47 लाख रुपए प्रति दस ग्राम पर स्थिर
- सोना चांदी मजबूत होकर 2.25 लाख रुपए प्रति किलो

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच चांदी में 500 रुपये का मामूली सुधार हुआ और यह बढ़कर 2.25 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रही। चांदी मंगलवार के 2,24,800 रुपये के बंद स्तर से 500 रुपये बढ़कर 2,25,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। कारोबारियों ने कहा कि सोना एक सीमित दायरे में रहा, जबकि पिछले सत्र में तेज गिरावट के बाद चांदी में थोड़ा सुधार हुआ। बुधवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने का कारोबार सपाट रहा।एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि भारतीय रुपये के मजबूत होने से घरेलू कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव पड़ा। विदेशी बाजारों में, हाजिर सोना 4,031.73 डॉलर प्रति औंस पर सपाट कारोबार कर रहा था और चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 57.54 डॉलर प्रति औंस हो गई।

बीएचईएल को डांगोटे समूह से मिला ठेका

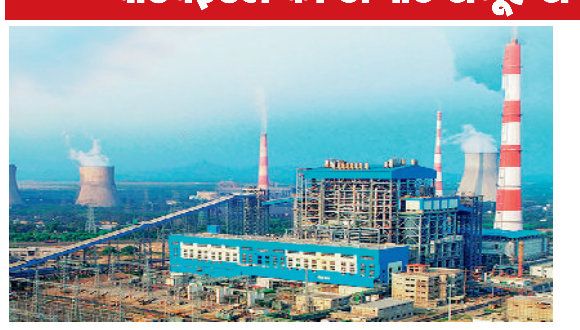

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्लिमिटेड (बीएचईएल) को नाइजीरिया की डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज से आठ गैस टर्बाइन जनरेटर पैकेज की आपूर्ति, उनकी स्थापना और चालू करने के कार्य की निगरानी का ठेका मिला है। कंपनी ने बयान में कहा कि कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच मिला यह ठेका डांगोटे समूह की कंपनी डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज ने दिया है। डांगोटे समूह अफ्रीका के सबसे बड़े और विविध कारोबार वाले समूहों में से एक है। इसकी मौजूदगी तेल शोधन, पेट्रोरसायन, उर्वरक, सीमेंट, चीनी, पैकेजिंग और अन्य क्षेत्रों में है।

DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION, CHHATTISGARH
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
विभागाध्यक्ष भवन, ब्लाक-3, तृतीय/चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर
Phone: 0771-2221376, https://dte.cg.gov.in/#/,
Email-cgdtecounselling@gmail.com

सत्र 2026-27 में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन कॉउंसिलिंग द्वारा होगा। इस हेतु अभ्यर्थी का वेब साइट https://dte.cg.gov.in/#/ एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ पर उपलब्ध कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, की अधिसूचना क्रमांक/एफ-9-5/2023/तक. शि./42 अटल नगर, दिनांक 11 मई 2023 में प्रकाशित निम्न प्रवेश नियम के अनुसार अर्हता होना अनिवार्य है।
1. छत्तीसगढ़ की पॉलिटेक्निक संस्थाओं के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश नियम-2023
ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की प्रवेश प्रक्रिया का अवलोकन भी उपरोक्त वेब साइट के माध्यम से किया जा सकता है, तत्संबंधी तिथियाँ निम्नानुसार है।

1.Diploma Engg. & Arch, 2.CDDM/ID, 3.MOM/HMCT, 4.Diploma Engg.(Lateral Entry) पाठ्यक्रम हेतु

काउंसिलिंग गतिविधि	पंजीयन (Registration)	मेरिट जारी	दावा आपत्ति	आबंटन/रिजल्ट (Allotment /Result)	प्रवेश (Admission)
संस्था स्तर हेतु तिथियाँ	31st July 2026 10:00AM से 08th August 2026 11:59PM तक	12th August 2026 05:00 PM बजे	1- मेरिट सूची के अनुसार संस्था स्तर पर आबटन हेतु अवसर लेने के लिए अभ्यर्थी को संबंधित संस्था में 13th August 2026 प्रातः 10:00AM उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 2- संस्था द्वारा आबंटित सीटों पर प्रवेश लेने की कार्यवाही 13th August 2026 01:00PM से 14th August 2026 01:00PM तक की जाएगी। 3- यदि संस्था में सीटें रिक्त रहती हैं तो 14th August 2026 अपराह्न 01:30PM बजे से 14th August 2026 अपराह्न 05:30PM बजे तक निम्नलिखित सभी अभ्यर्थीयों को मेरिट सूची के अनुसार अवसर प्रदान किया जाएगा-जो दिनांक 13th August 2026 को (क) उपस्थित नहीं हो पाए (अनुपस्थित)। (ख) उपस्थित हुए लेकिन उन्हें आबंटन नहीं मिला। (ग) सीट आवंटित/प्रवेशित है परंतु वे अपने उच्च वरीयता (Higher Preference) विषय/ विकल्प का चयन करना चाहते हैं।		

महत्वपूर्ण निर्देश :- 1. विस्तृत नियम, अर्हता, ऑनलाइन आवेदन/काउंसिलिंग प्रक्रिया, एवं आगामी संशोधनों की पूर्ण जानकारी हेतु निरंतर विभागीय वेबसाइट https://dte.cg.gov.in/ एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ का अवलोकन करते रहें। 2. प्रत्येक चरण की काउंसलिंग के लिए अभ्यर्थी को पृथक से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। 3. संस्था स्तर की काउंसिलिंग हेतु आवेदन करने पर, यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी संस्था में प्रवेश लिया हुआ है, तो वह तब तक निरस्त नहीं होगा, जब तक की अभ्यर्थी संस्था स्तर की काउंसिलिंग में प्रवेश नहीं लेगा। 4. रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिनों में भी प्रवेश संस्थाएं एवं सुविधा केंद्र खुले रहेंगे। 5. किसी भी सहायता के लिए अभ्यर्थी सुविधा केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 0771-2221376 पर कार्यालयीन समय में संपर्क करें।

अतिरिक्त संचालक
तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
जी. 262702425/1

प्रारूप-एक
(नियम 11 देखिये)
कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधक विभाग

अधिसूचना

भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-4 सहपठित नियम 7 के अंतर्गत

नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राजय सरकार द्वारा आशायित है, अर्थात:-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल	लोक प्रयोजन का विवरण
रायगढ़	तमनार	महलोई	8.570 हे.	लोक निर्माण विभाग द्वारा तमनार बायपास लम्बाई 8.50 कि.मी. सड़क निर्माण कार्य ग्राम-महलोई

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन की सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जनसुनवाई दिनांक 5/8/2026 को समय दिन के 1.00 बजे से 5.00 स्थान-ग्राम पंचायत भवन महलोई पर नियत की गई है। प्रस्तावित भूमि
अर्जन विवरण निम्नुसार है:-
(एक) लोक प्रयोजन का संक्षिप्त विवरण- तमनार बायपास मार्ग तक लम्बाई 8.50 कि.मी ग्राम-तमनार में सड़क निर्माण कार्य हेतु निजी भूमि का अधिग्रहण कार्य हेतु भू-अर्जन
(दो) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या-58 खातेदार
(तीन) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या- निरंक
(चार) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों का अनुमानित संख्या-निरंक
(पांच) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों का अनुमानित संख्या-निरंक
(छ:) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है-हाँ
(सात) क्या संभव विकल्पों और इनकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है- हाँ
(आठ) परियोजना की कुल लागत -रू. 135376386.00 (अनुमानित)
(नौ) परियोजना से होने वाला लाभ -ग्राम- तमनार बायपास पहुंच मार्ग निर्माण से लोक प्रयोजन हेतु ।
(दस) प्रस्तावित से सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिए उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के अनुसूची दो में दर्शायी गई तथा समय-समय पर छ.ग. शासन द्वारा बताई गई उपाय का अनुपालन किया जावेगा। संभावित व्यय रू. 500000/- (पांच लाख) या वास्तविक व्यंय जो भी अधिक हो।
(ग्यारह) परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक-निरंक
उपरोक्त पूरक भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी सुझाव देना हो तो विहितं तिथि / समय एव स्थान पर दीं जा सकेंगीं।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) घरघोड़ा जिला-रायगढ़ (छ.ग.)
कलेक्टर जिला-रायगढ़ (छ.ग.)
जी-262702421/1

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 1, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक 04/ व.ले.लि./ 2026-27 दिनांक 23.07.2026 निम्नलिखित कार्यो के लिये दिनांक 13.08.2026 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	195992	सरईकेरचा व्यपवर्तन योजना के नहर का जीर्णोद्धार एवं रिमाडलिंग कार्य।	रू. 216.93 लाख । (जी.एस.टी. छोड़कर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 30.07.2026 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।
नोट : निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र. 1,
अम्बिकापुर (छ.ग.)
कृते - मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)
जी. 262702415/5

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर

सूचना

क्रमांक 13091//दो-14-1/2025 बिलासपुर, दिनांक 28/07/2026
Adv. No. 02/2025 (Translator)

व्यापम, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की स्थापना में ट्रांसलेटर के रिक्त 72 पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन क्रमांक-02/2025 के माध्यम से आवेदन-पत्र आमंत्रित किये गये थे।

उक्त पद की प्रथम चरण की स्क्रीनिंग टेस्ट उपरांत स्क्रीनिंग टेस्ट में अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों के मेरिट के आधार पर विज्ञापन की शर्तों के अनुसार 1:15 के अनुपात में कुल 846 अभ्यर्थियों की सूची पूर्व में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की वेबसाईट पर अपलोड की जा चुकी है।

उक्त पद हेतु पात्र अभ्यर्थियों की द्वितीय चरण की कौशल परीक्षा दिनांक 09/08/2026 को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित की जायेगी तथा उक्त कौशल परीक्षा के लिये पात्र अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर शीघ्र ही उपलब्ध करा दिया जायेगा।

विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर की वेबसाईट https:// highcourt.cg.gov.in पर देखा जा सकता है।

(रजनीश श्रीवास्तव)
रजिस्ट्रार जनरल
जी. 262702411/1

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone :6232033095 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

नियम- 8(1) कब्जा नोटिस (अचल सम्पति)

जबकि वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13(12), 13(2) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 एवं 9 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी ने मांग सूचना पत्र जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित उधार लेने वालों का उल्लिखित राशि ब्याज सहित नोटिस पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिए कहा गया था । इन उल्लिखित ऋणियों द्वारा राशि भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं और आमजनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13(4) के तहत उक्त पठित नियम हस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्तानुसार वर्णित सम्पत्ति का आधिपत्य की तिथि को अपने कब्जे **(Symbolic)** में ले लिया है । ऋणियों को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के बाबत किये गये कोई भी व्यवहार पर **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के उपरोक्त राशि एवं उस पर ब्याज के अधीन भार **(CHARGE)** देय होगा ।

क्र.	ऋणी/ जमानतदार का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना जारी तिथि एवं राशि (रू. में)	आधिपत्य की तिथि
01	ऋणी- श्री दीपक गुप्ता पिता श्री लल्लन गुप्ता, प्रोप. मेसर्स लल्लन बेवरेजेस.	संपत्ति 1: श्री दीपक गुप्ता पिता श्री लल्लन गुप्ता की भूमि एवं भवन वाली पूरी संपत्ति जो प्लॉट खसरा नं.- 1521/2, प.ह.नं. -14, ग्राम- गुतुरमा, रा.नि.मं.- सीतापुर, तहसील- सीतापुर, जिला- सरगुजा छ.ग. प्लॉट का क्षेत्रफल 0.081 हेक्टेयर (20.25 डेसिमल) पर स्थित संपत्ति के समस्त भाग तथा अंश । डायवर्टेड जमीन का सालाना रेवेन्यू 398 रुपये है । चौहद्दीः 14.10.2022 के नजरी नक्शे के अनुसारः खसरा नं. 1521/2, उत्तर में- एन.एच. 43 सड़क, दक्षिण में- शिवनारायण साव की भूमि, पूर्व में- मुकेश कुमार की जमीन, पश्चिम में- शिवनारायण साव का मकान । संपत्ति 2: श्री दीपक गुप्ता पिता श्री लल्लन गुप्ता की भूमि एवं भवन वाली पूरी संपत्ति जो प्लॉट खसरा नं.- 1521/3, प.ह.नं.-14, ग्राम- गुतुरमा, रा.नि.मं.- सीतापुर, तहसील- सीतापुर, जिला- सरगुजा छ.ग. प्लॉट का क्षेत्रफल 0.121 हेक्टेयर (30.25 डेसिमल) पर स्थित संपत्ति के समस्त भाग तथा अंश । डायवर्टेड जमीन का सालाना रेवेन्यू 606 रुपये है । चौहद्दीः 14.10.2022 के नजरी नक्शे के अनुसारः खसरा नं. 1521/3, उत्तर में- लल्लन ढाबा, दक्षिण में- विजय गुप्ता की भूमि, पूर्व में- शिवनारायण साव, पश्चिम में- सड़क ।	08/05/2026 ₹ 29,02,831/- + ब्याज + अन्य व्यय	23/07/2026

आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत 30 दिनों का विक्रय हेतु अनिवार्य सूचना

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख से 30 दिनों के अंदर वे सम्पूर्ण ऋण राशि, ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित सम्पत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्च सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी ।

स्थान- अंबिकापुर (छ.ग.)
दिनांक- 29.07.2026

मुख्य प्रबंधक,
छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक

प्रथम पृष्ठ का शेष

नक्सलियों का आखिरी...

नक्सलियों से पूछताछ कर संगठन के नेटवर्क, हथियारों की आपूर्ति और भविष्य की गतिविधियों से जुड़ी अहम जानकारी जुटाने में लगी हैं। मिसिर बेसरा की गिरफ्तारी के बाद अब एकमात्र पोलित ब्यूरो मेंबर गणपति की गिरफ्तारी शेष है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए सुरक्षा एजेंसियां प्रयासरत हैं। हालांकि बताया जाता है कि लंबे समय से गणपति सक्रिय नहीं है। जानकारी के मुताबिक संयुक्त कार्रवाई धनबाद और गिरिडीह जिले की सीमा से लगे मणिडीह क्षेत्र में उस समय की गई जब मिसिर बेसरा अपने साथियों के साथ धनबाद से टाटा मैजिक वाहन से गिरिडीह की ओर जा रहा था। लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में चल रहे मिसिर बेसरा को सटीक खुफिया सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार मिसिर बेसरा प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) का सेंट्रल कमेटी और पोलित ब्यूरो सदस्य था तथा झारखंड के कई जिलों में नक्सली गतिविधियों का संचालन कर रहा था। उस पर केवल झारखण्ड व ओडिशा में 2 करोड़ रुपए से अधिक का इनाम घोषित है। अभियान के दौरान 15 लाख रुपए के इनामी मोछू, गौरव हांसदा समेत कुल पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। झारखण्ड पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों इस कार्रवाई को नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया है। अधिकारियों का मानना है कि इस गिरफ्तारी से झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में माओवादी संगठन की गतिविधियों पर बड़ा असर पड़ेगा तथा संगठन के नेटवर्क को कमजोर करने में मदद मिलेगी।

बस्तर से भी...

था। उसकी गिरफ्तारी को माओवादी संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि मिसिर बेसरा बस्तर में भी काफी समय तक सक्रिय रहते हुए हथियारों की आपूर्ती व बड़े हमलों का मास्टर मार्इंड भी था।

पांच महिलाओं समेत...

इन सभी पर कुल 49 लाख रुपए का इनाम घोषित था। समर्पण करने वाले नक्सलियों में 8-8 लाख के ईनामी बीजापुर के गंगालूर क्षेत्र निवासी डीवीसीएम अश्विन ऊर्फ लच्छू, रंगा ऊर्फ सोहन तथा नारायणपुर ओरछा निवासी दोबा माड़वी ऊर्फ राहत शामिल है। इसके अलावा 5-5 लाख के ईनामी फगनी पोयम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा तथा मिसिर बेसरा का सुरक्षा गार्ड सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी निवासी पूसनार पेरमापारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर शामिल है।

कैदी जेल के फायर...

बजाकर इमरजेंसी घोषित की गई।। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। **कलेक्टर - एसएसपी पहुंचे जेल-** घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह अधिकारियों के साथ जेल पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर जेल अधीक्षक से घटना के संबंध में जानकारी ली। कैदी अति संवेदनशील गैसीफायर प्लांट तक कैसे पहुंचा, इसकीजांच करने का आदेश दिया गया है।

भाजपा अध्यक्ष की...

इलाज जारी है। **परिवार दूसरे वाहन में था-** सूत्रों के अनुसार, हादसे में किरण देव को गंभीर चोट नहीं आई हैं। चिकित्सकों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। उनकी हालत फिलहाल खतरे से बाहर और स्थिर बताई जा रही है। हादसे के समय उनके साथ सुरक्षा कर्मी भी मौजूद थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य अलग वाहन में यात्रा कर रहे थे।

सीएम ने की...

रहा है। मां दंतेश्वरी से प्रार्थना है कि किरणजी को शीघ्र ही पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

संसद में 'इडियट'...

लगाया है या फिर वह माफी मांगें। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिना किसी तथ्य, जांच और साक्ष्य के किसी के ऊपर आरोप नहीं लगा सकते। सदन में हंगामे के कारण लोकसभा अध्यक्ष ने बैठक एक बजकर 53 मिनट पर अपराह्न दो बजकर 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी ने चर्चा में भाग लेने के दौरान आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था की आत्मा पर भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक संगठन ने कब्जा कर लिया है और पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तो सिर्फ एक प्रतीक मात्र थे। उन्होंने छात्रों के विरोध प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि प्रदर्शनकारी बच्चों के माता-पिता में साहस नहीं है कि वो भाजपा और उसके वैचारिक संगठन का मुकाबला करें, लेकिन ये बच्चे सामने खड़े हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों ने डर को बाहर निकालकर चुनौती दी और खुलकर सवाल किया। उनका कहना था, छात्रों ने अपना डर छोड़ दिया। उन्होंने इस सोच को चुनौती दी कि उनकी आवाज़ उठाने पर उनका करियर बर्बाद किया जा सकता है। छात्रों ने सवाल किया कि हमें रोजगार के अवसरों से क्यों वंचित किया जा रहा है, हमें अपनी पसंद के व्यक्ति से प्रेम करने या विवाह करने का अधिकार क्यों नहीं है और अलग-अलग धर्मों को निशाना क्यों बनाया जाता है? उन्होंने सदन में गृह मंत्री की गैरमौजूदगी को लेकर दावा किया कि 'तथाकथित गृह मंत्री' को हिम्मत नहीं है कि वह सदन में आ सकें। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री सदन में नहीं हैं क्योंकि वह डरे हुए हैं। इसके बाद उन्होंने छात्रों पर बलप्रयोग का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने तीखा विरोध किया और कहा कि राहुल गांधी ने गलत बयान दिया और उन्होंने अपने विशेषाधिकार का हनन करते हुए बयान दिया जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि छात्रों पर बलप्रयोग का आदेश किसने दिया था। सत्तापक्ष के सदस्यों ने 'राहुल गांधी माफी मांगो' और कांग्रेस के सदस्यों ने 'एलओपी को बोलने दो' और 'गृह मंत्री जवाब दो' के नारे लगाए। सदन में काफी देर तक गतिरोध की स्थिति बनी रही। राहुल गांधी ने कहा कि सड़कों पर इस देश के भविष्य ने जो किया, वह कोई गुस्सा, हिंसा और नफरत नहीं थी, बल्कि यह युवाओं की अभिव्यक्ति थी तथा सत्तारूढ़ दल समेत सभी दलों को इसका सम्मान करना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि अगर भाजपा के मित्र अपने बच्चों से भी इस बारे में पूछेंगे तो आंदोलनकारी बच्चों के साथ उनकी भी सहमति ही पाएंगे। उनका कहना था कि लोग एक परीक्षा पर जितना पैसा खर्च कर रहे हैं, वह सरकार के शिक्षा बजट से ज्यादा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि हमारी व्यवस्था क्रूर है तथा गरीबों से लाखों रुपए लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था पर कब्जा कर लिया गया है और भाजपा से संबंधित वैचारिक संगठन ने इस व्यवस्था की आत्मा पर कब्जा कर लिया है।

राहुल को बुनियादी...

दिया, जिसके बाद कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। हंगामा कर रहे कांग्रेस सदस्यों की ओर इशारा करते हुए सिंह ने कहा कि यह बहुत निराशाजनक है कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा हो रही है तो संजीदगी से चर्चा करने के बजाय विपक्ष राजनीति करने का प्रयास कर रहा है। सिंह ने कहा, नेता प्रतिपक्ष के व्यवहार पर मुझे दुख है कि उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो इतनी असंसदीय अभिव्यक्ति है कि कोई सदस्य अपने लिए भी उसका इस्तेमाल सदन में नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, मुझे हैरानी है कि नेता प्रतिपक्ष को इन बुनियादी संसदीय नियमों की जानकारी नहीं है। सिंह ने कहा कि जब राहुल गांधी ने कहा कि वह इस शब्द का इस्तेमाल किसी व्यक्ति विशेष के बारे में नहीं कर रहे तो कई बार शंका होती है कि क्या छात्रों के लिए कर रहे हैं और यदि ऐसा है तो इससे ज्यादा दुर्भागयपूर्ण कुछ नहीं। सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के भाषण से लगता है कि 'उन्हें सार्वजनिक जीवन और प्रशासनिक प्रणाली के बुनियादी बिंदुओं की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री ने 'गोली चलाने का आदेश दिया' और वह उसे प्रमाणित करने में विफल रहे। सिंह ने कहा कि यहां सबसे बुनियादी बात है कि कहीं भी गोली चलाने का आदेश कोई मंत्री नहीं देते, बल्कि मजिस्ट्रेट, एसडीएम, डीएम जैसे अधिकारी देते हैं। सिंह ने कहा, 'इसका मतलब हुआ कि उन्हें सार्वजनिक जीवन का अनुभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बात बार-बार स्पष्ट की जा चुकी है कि गोली चली ही नहीं, आंसूगैस का इस्तेमाल किया गया। जब गोली चली ही नहीं तो आदेश देने का सवाल ही नहीं उठता। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गृह मंत्री के साथ 30 गाड़ियों का काफिला चलने का कांग्रेस नेता का दावा भी निराधार है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि गृह मंत्री विदेश गए थे, जो पूरी तरह असत्य है।

भारी बारिश से...

इससे जगदलपुर–सुकमा मार्ग बाधित हो गया है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और यातायात व्यवस्था संभालते हुए पेड़ हटाने का कार्य शुरू कराया। प्रशासन द्वारा मार्ग को जल्द से जल्द बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नेशनल हाईवे पर...

पैरी, कुल्हाड़ीघाट, इंद्रावन, बाघ व क्षेत्र के सभी नदी नाले उफान पर हैं। मैनपुर नगर सहित सैकड़ों गांवों में बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। बिजली बंद होने से क्षेत्र मे संचार सेवा भी प्रभावित है।

24 घंटे में रायपुर...

चुका है, जो सामान्य से 27 फीसदी ज्यादा है। प्रदेश में अब तक 59 सेमी. बरसात हुई है, जो सामान्य से 12 प्रतिशत कम है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बंगाल की खाड़ी में रुकने के बाद रूप बदलकर आगे बढ़े सिस्टम ने एक बार फिर प्रदेश को पानी-पानी कर दिया है। पिछले तीन दिन से सक्रिय मानसून ने पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के अधिकतर क्षेत्रों को पानी-पानी कर दिया। बस्तर से रायपुर समेत मध्य, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई, जिससे कई नदी-नाले ओवरफ्लो हो गए। रायपुर में पिछले चौबीस घंटे से जारी बरसात का प्रभाव जनजीवन पर नजर आया। कभी जोरदार तो कभी रेनी शॉवर के तरीके से शहर में बरसात होती रही। मंगलवार की रात शुरू हुई बारिश बुधवार को शाम होने के बाद थमी नजर आई। मौसम विभाग के विशेषज्ञों का कहना कि मध्य छत्तीसगढ़ और उससे लगे अंदरूनी उड़ीसा के ऊपर स्थित गहरा अवदाब का क्षेत्र आगे बढ़ते हुए पूर्वी मध्य प्रदेश पहुंचने की संभावना है। सिस्टम के आगे बढ़ने से बारिश की गतिविधि में कमी आ सकती है। 30 जुलाई को अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। भारी बारिश मुख्यतः दुर्ग संभाग के जिले तथा बिलासपुर संभाग के पश्चिमी जिले हो सकते हैं। **इन इलाकों में ज्यादा गिरा पानी-** पिछले चौबीस घंटे में बचेली में 20, राजधानी रायपुर में 15 सेमी. से ज्यादा, कोमाखान, गरियाबंद में 14, ओडगी, बीजापुर में 13, बागबहरा, सुकमा, गोबरा-नवापारा में 12, मैनपुर, पिथौरा, लभांडी में कुकरेल 11, छुरा, माना, मगरलोड, राजिम, बेलरगांव, नगरी में 10 सेमी. से ज्यादा बरसात हुई। इसके अलावा प्रदेश के 25 से ज्यादा स्टेशनों में अतिभारी से भारी वर्षा दर्ज की गई। **00 ज्यादा वर्षा प्रभावित जिले-** सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 769 मिमी. बरसात जो सामान्य से 76 प्रतिशत ज्यादा, चांपा-जांजगीर जिले में अब तक 721 मिमी. वर्षा जो औसत से 47 फीसदी अधिक, महासमुंद जिले में 697 मिमी. पानी बरसा जो सामान्य वर्षा से 43 फीसदी ज्यादा, बलौदाबाजार जिले में 605 मिमी. बारिश जो सामान्य से 34 प्रतिशत अधिक, रायपुर जिले में अबतक 595 मिमी. पानी गिरा जो औसत से 27 फीसदी अधिक

कार के अंदर...

पर पूरे समय डटी रही और अपनी ओर से पूरी कोशिश किया। हालांकि पानी का तेज बहाव की वजह से ढूंढने में काफी दिक्कत हो रही थी। बुधवार पंजाब की रेस्क्यू टीम जब आई तो कुछ पानी का बहाव भी कम हो गया था और उन्होंने तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर इस ऑपरेशन को पूरा किया। यह घटना बीते रविवार की शाम करीब साढ़े 5 की है। जब माधोपाली अपनी दुकान से राशि लेकर बड़े घोठला के पूर्व सरपंच और उनकी पत्नी बरमकेला- सारंगढ़ मार्ग पर स्थित लात नाले पर बह गए थे। दोनों पति-पत्नी का लाश कार के भीतर ही था। हालांकि कार में पानी भरने और तेज बहाव की वजह से दोनों नजर ही नहीं आ रहे थे। इसके कारण गोताखोरों ने लात नाले के करीब 30 किमी दायरे में दोनों को ढूंढ रहे थे। बुधवार को पंजाब के गोताखोर पहुंचे तो कार को बाहर निकाला गया, जिसमें दोनों का शव था। हादसे के बाद से ही पूरा जिला दंपती के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए बैठा था। हर गुजरते घंटे के साथ लोगों की चिंता बढ़ती जा रही थी। सोशल मीडिया से लेकर गांव गांव तक लोग रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ले रहे थे और मृतकों के सकुशल मिलने की प्रार्थना कर रहे थे। लेकिन लगभग 71 घंटे बाद जब कार के भीतर दोनों के शव मिलने की पुष्टि हुई तो उम्मीदों का सिलसिला हमेशा के लिए टूट गया। **घटनास्थल से करीब एक किमी दूर बह गई थी-** हादसे में बही कार घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर गहरे पानी में फंसी हुई थी। गर्मी के मौसम में सिंचाई के लिए नदी में गहरे गड्ढे खोदे गए थे। संभावना जताई जा रही है कि पानी के तेज बहाव में बहने के बाद कार इन्हीं गहरे गड्ढों में जाकर फंस गई, जिसके कारण वह सामान्य खोज अभियान की पहुंच से बाहर रही और उसे तलाशने में काफी समय लग गया। कार को बाहर निकालने के लिए गोताखोरों और बचाव दल ने काफी मशक्कत की। जब कार को नदी से बाहर निकाला गया तो उसके भीतर पति पत्नी के शव मौजूद थे। यह दृश्य इतना हृदयविदारक था कि वहां मौजूद लोग भावुक हो उठे। कार को नदी से बाहर निकालने के दौरान घटनास्थल पर भारी भीड़ मौजूद रही। प्रशासन और पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। जैसे ही यह स्पष्ट हुआ कि कार के भीतर दोनों के शव मिले हैं, पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया।

श्रवण नक्षत्र सहित...

दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख और सकारात्मक ऊर्जा देने वाला शुभ योग माना गया है। इसके अतिरिक्त ग्रहों की शुभ स्थिति के कारण इस दिन शश महापुरुष राजयोग, हंस राजयोग, गुरु-आदित्य राजयोग बन रहे हैं।

प्रारंभ होगी मंगला...

संयोग बन रहा है, जब श्रावण सोमवार के दिन ही नाग पंचमी मनाई जाएगी। भगवान शिव के प्रिय दिन सोमवार और नागपंचमी का एक साथ पड़ना इसे अत्यंत शुभ बना रहा है। बीते वर्ष 29 जुलाई मंगलवार को नाग पंचमी मनाई गई थी, हालांकि कुछ हिस्सों में 28 जुलाई सोमवार को नाग पंचमी का पूजन किया गया था। 23 वर्ष पश्चात पहली बार सभी स्थानों में सोमवार को ही नाग पंचमी मनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त सावन माह के प्रत्येक मंगलवार को सुहागिन महिलाएं मंगला गौरी व्रत रखेंगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत के पालन से अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पूर्व पीएम मनमोहन...

अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश के पास सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' को खारिज कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। पीठ ने कहा, अपीलकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण निधन के कारण यह अपील निष्फल मानकर समाप्त की जा सकती थी लेकिन विशेष न्यायाधीश द्वारा संज्ञान लेने और अपीलकर्ता को तलब करने के पहलू पर विचार करने के लिए हमने सीबीआई द्वारा दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्टों का अध्ययन किया। अदालत ने कहा, जांच एजेंसी की रिपोर्ट स्वीकार करने के संबंध में इस अदालत द्वारा लगातार तय किए गए मानकों को ध्यान में रखते हुए हम संतुष्ट हैं कि विशेष न्यायाधीश के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को अस्वीकार कर संज्ञान लेने का कोई कारण नहीं था। हम अपील स्वीकार करते हैं और विवादित आदेश को रद्द करते हैं। परिणामस्वरूप, हम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए मामले को बंद करते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर अघोर गुरु पीठ बनोरा पहुंचे सीएम

हरिभूमि न्यूज : रायगढ़

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रायगढ़ प्रवास के दौरान ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां श्रद्धा और आस्था के साथ अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी के दर्शन किए और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

उन्होंने आश्रम के उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी की प्रतिमा के दर्शन कर पूजा.अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम जी के प्रिय शिष्य पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी के भी दर्शन किए और उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा और इससे जुड़ी शाखाएं आध्यात्मिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर मानव सेवा को अपनी कार्यप्रणाली का प्रमुख आधार बनाए हुए हैं। आसपास के क्षेत्रों में जरूरतमंद, बेसहारा और वंचित लोगों की सहायता के लिए विभिन्न सेवा गतिविधियां संचालित की जाती हैं। शिक्षाए चिकित्सा और आध्यात्मिक संस्कारों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सहयोग देने का कार्य लगातार किया जा रहा है। ट्रस्ट से जुड़ी संस्थाएं लोगों को जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से जोड़ने के साथ ही मानवीय मूल्यों, सेवा भावना और संस्कारों के विकास में भी योगदान दे रही हैं। जरूरतमंदों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं संग पंगत में बैठकर ग्रहण किया भंडारा

सीएम ने बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ ब्रह्मनिष्ठालय पहुंचकर गुरु के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए। इस दौरान उन्होंने अपनी सादगी और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति आस्था का परिचय देते हुए गुरु दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ पंगत में बैठकर भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री का यह आत्मीय और सहज व्यवहार उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के साथ समान भाव से बैठकर प्रसाद ग्रहण कर सामाजिक समरसता सेवा और भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के मूल्यों को सशक्त संदेश दिया।

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्टी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- साड़ियों की दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सेल्समैन पेमेंट 16000+1%, हेल्पर पेमेंट 9500, सेल्सगर्ल वेतन 13000+1%, गर्ल हेल्पर वेतन- 7500 (उम्र 18 से 30वर्ष तक) सम्पर्क करें- 9691342085 (41523)

आवश्यकता है- सेल्समैन, एकाउंट्स, ऑफिस एग्जीक्यूटिव (स्नातक, MS Excel, Busy, Tally जानकार), मैकेनिकल टेक्नीशियन (5वर्ष अनुभवी), इलेक्ट्रीकल टेक्नीशियन (5वर्ष अनुभवी), पिकअप/ माजदा अनुभवी ड्राइवर (लाइसेंसी), हेल्पर चाहिए। सम्पर्क करें- तिफरा, बिलासपुर 8305541155 (41516)

आवश्यकता है- स्टोर कीपर हेतु लड़के एवं ऑफिस, फील्ड में कार्य करने हेतु लड़के की आवश्यकता है। (समय- 10am से 8pm) वेतन- योग्यता अनुसार। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- 93019 22223 राजीव प्लाजा बिलासपुर (41517)

आवश्यकता है- दुकान आकर सिलाई करने हेतु महिला लड़की एवं घरेलू कार्य करने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक के पास, कुम्हारपारा रोड, बिलासपुर 9098973726 (41512)

आवश्यकता है- नौकरी का सुनहरा अवसर! सकरी, बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी में ऑफिस बॉय (किचन स्टाफ) चाहिए। चाय, नाश्ता एवं ऑफिस किचन कार्य अनुभव वांछनीय। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- 9589000680 (41483)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर- 3 पोस्ट, सीनियर सेल्स ऑफिसर- 1 पोस्ट, सेल्समैन- 2 पोस्ट की तत्काल आवश्यकता है। सम्पर्क करें- कैलाश इंडस्ट्रीज, सेक्टर-C, इंडस्ट्रीयल एरिया सिरगिट्टी बिलासपुर 7000157773 (3187)

आवश्यकता है- भगवती सुलोचना ऑटोमोटिव फ्लीटगार्ड फिल्टर डीलरशिप हेतु फील्ड सेल्समैन (12वीं, स्नातक) फील्ड सेल्स/ऑटो स्पेयर पार्ट्स अनुभव वरीयता कम्प्यूटर ऑपरेटर स्नातक, अनुभवी चाहिए वेतन योग्यतानुसार+ इंसेंटिव सम्पर्क करें- बबल आइलैंड के पास सिरगिट्टी, बिलासपुर 9399905071 (41508)

आवश्यकता है- बिलासा फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है अनुभव एक वर्ष पता- श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879923905, 99770 89866 (41515)

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं-ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41510)

आवश्यकता है- कास्मेटिक दुकान मे कार्य करने हेतु सेल्समेन एवं जनरल कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करे- सुनील प्लास्टिक, तेलीपारा अजीत होटल के सामने बिलासपुर (41474)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने के लिए अनुभवी लेडीज कुक की आवश्कता है जो नॉनवेज भी बनाती हो । सम्पर्क करे- पुराना बस स्टैंड, इमलीपारा 9425535359 (41488)

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां सेल्स/ मार्केटिंग डिलीवरी ब्वॉय एवं एकाउण्टेंट की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करे- 9981137187 (41500)

आवश्यकता है- एम्बुलेंस चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी- 8000 से 10000+ भत्ता, आयु 18 वर्ष से 25 वर्ष तक। बायोडाटा, आधार कार्ड एवं लाइसेन्स सहित सम्पर्क करें- 07869 954646 (41521)

आवश्यकता है- टूव्हीलर एजेन्सी में सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, सर्विस मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, डिजीटल कॉलिंग एग्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9039167202 (41518)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु 4 वेल्डर, 8 हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक पता- उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 80858 88288 (41514)

आवश्यकता है- पार्ट टाइम स्कूल में पढ़ाने हेतु अनुभवी/ फ्रेशर शिक्षक, शिक्षिका एवं विद्यालय की सफाई हेतु आया की। सम्पर्क- संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 9098546135 (41509)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्पलेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747 000019 (891)

आवश्यकता है- आर्य समाज द्वारा संचालित दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गणित पढ़ाने हेतु शिक्षिकाओं की आवश्यकता है समय सुबह 8बजे से 11बजे तक पता- दयानन्द विद्यालय नदी किनारे गोड़ पारा बिलासपुर 89821 12133 (41513)

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000- 6000 कमीशन +बोनस, अनुभवी को प्राथमिकता बिलासपुर मो. 9232795464, 79874 84831 (116)

आवश्यकता है- FMCG एवं वेलनेस एजेन्सी में ऑनलाइन कम्प्यूटर बिलिंग करके और प्रोडक्ट देने के लिए लड़का चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार+ आकर्षक इंसेंटिव। जो कम्प्यूटर कोर्स किया हो बायोडाटा व्हाट्स एप करें- 7067124226 (41503)

आवश्यकता है- यश सुपर बाजार में कार्य हेतु लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है अनुभवी को वेतन 10000 से प्रारम्भ तत्काल सम्पर्क करें- रिंग रोड नं.-2, गौरव पथ, बिलासपुर (41502)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है Ammaji Traders बिलासपुर में कार्य करने के लिए अच्छे एवं जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 6266732985, 9685138652 (41522)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल दुकान में अनुभवी सेल्समैन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की (अनुभवी) लोकल में माल छोड़ने एवं पैकिंग हेतु लड़को की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर (41511)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर सीपत मेन रोड पंधी में नयनतारा कॉलेज से पहले 112×127, 61×127, मध्य नगरी चौक श्रीराम ज्वेलर्स के सामने 1800 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट, बिलासपुर तखतपुर मेन रोड कानन पेंडारी 100×156, 50x156, सत्यम चौक लिंक रोड से मगरपारा चौक मेन रोड पर 36×50, 18×50 अपोलो हॉस्पिटल के सामने कृष्णा लॉज के पास 24×64 सम्पर्क- 98278 96182, 9827955199 (41504)

बेचना है- 10×10= 100 फुट दुकान छत नहीं मेन रोड बाजार के पास सिंधी कालोनी में प्राइम लोकेशन में मेंस वेयर हेतु उपयुक्त दुकान बेचना है। (कीमत 14लाख) सम्पर्क करें- 9131242092, 9827938236 (41505)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

फायनेंस

फाइनेन्स- जन कल्याण योजना अंतर्गत पूरेछत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधार कार्ड पर 50000 से 25 लाख तक, 1% ब्याज वार्षिक प्रॉपर्टी, पर्सनल बिजनेस दुकानदारी ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए सम्पर्क- 93118 30460 (4305)

फायनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। संपर्कः- 7988465321, 79884 65321 (049)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

एथलेटिक्स में दूसरा रजत पदक

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। एथलेटिक्स में भारत का यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीता था।

बारिश और पानी से भरे ट्रैक में दौड़े गुलवीर

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 'स्कॉट्सटाउन स्टेडियम' में लगातार हो रही बारिश और पानी से भरे ट्रैक जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूरी दौड़ में अग्रणी धावकों के साथ अपनी जगह बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने जबरदस्त तेजी दिखाई और 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलार्की 27:50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

नहीं पड़ता मौसम का असर : गुलवीर

गुलवीर ने कहा, 'पदक जीतकर हमेशा अच्छा लगता है। दौड़ अच्छी रही, बारिश भी हुई, लेकिन जब आप पदक जीतते हैं तो बारिश हो, धूप हो, गर्मी हो या कुछ और हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया था। दौड़ से पहले मैंने सर्वशक्तिमान से कहा था, देख लेना प्रभु।'

अफ्रीकी धावकों को पीछे छोड़ा

अमेरिका में कोच स्कॉट सिमंस के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे गुलवीर ने मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन रणनीति अपनाई। इस दौड़ में कीनिया के 2023 की विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता डेनियल एबेयो जैसे कई दिग्गज अफ्रीकी धावक भी शामिल थे। लगातार बारिश के बावजूद गुलवीर अधिकांश समय शीर्ष समूह के साथ बने रहे और अंतिम लैप में अपनी गति को बढाकर मुलार्की को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

40 साल बाद विजेताओं में अफ्रीकी धावक नदारद

गुलवीर के इस प्रदर्शन के साथ एक और बड़ा इतिहास भी बना। वर्ष 1986 के बाद पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा के पदक विजेताओं में किसी भी अफ्रीकी धावक का नाम शामिल नहीं रहा। यह उपलब्धि 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अविनाश साबले द्वारा 3000 मीटर स्टीपलचेज में कीनिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को तोड़ते हुए रजत पदक जीतने की याद भी ताजा कर गई।

सेमीफाइनल में अंरुधति, पक्का किया मेडल

अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम वर्ग) ने देश के लिए एक और मेडल पक्का कर लिया। एसईसी हॉल-5 में अरुंधति ने न्यूजीलैंड की मॉर्गन हेंडरसन को 3-1 के विभाजित फैसले से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल सुनिश्चित कर दिया है। अरुंधति चौधरी को पहले राउंड में पांच में से तीन जजों ने 10-10 अंक दिए, जबकि दूसरे राउंड में उन्हें चार जजों से पूरे अंक मिले। इस राउंड

में न्यूजीलैंड की मुक्केबाज हेंडरसन को वॉर्निंग के चलते एक अंक गंवाना पड़ा। तीसरे राउंड में तीन जजों ने अरुंधति के पक्ष में अपना फैसला दिया। अरुंधति चौधरी ऐसी पांचवीं भारतीय हैं, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। उनसे पहले प्रीति, प्रिया, जादुमनी सिंह और साक्षी ने भी अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में अंतिम चार में जगह बनाई है।

साक्षी का दबदबा, सेमीफाइनल में एंट्री

महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 51 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्दन आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। एसईसी हॉल-5 में खेले गए इस मुकाबले में साक्षी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और तीनों राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। पांचों जजों ने मुकाबला साक्षी के पक्ष में दिया और उन्हें सर्वसम्मत निर्णय के आधार पर विजेता घोषित किया। सभी जजों ने साक्षी को 29 अंक दिए, जबकि फ्रायर्स को 25 से 27 अंकों के बीच अंक मिले। दूसरे राउंड में फ्रायर्स का एक अंक चेतावनी के कारण काटा गया, जिससे भारतीय मुक्केबाज की बढ़त और मजबूत हो गई। इस जीत के साथ साक्षी ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

शॉटपुटः फाइनल में तूर और गिल

भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल ने राष्ट्रमंडल खेलों के आखिरी दौर के लिए आसानी से क्वालीफाई कर लिया। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तूर ने दो प्रयासों में ही ग्रुप ए से 20 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क हासिल कर लिया। उनका पहला प्रयास 19.93 मीटर और दूसरा 20.14 मीटर था। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। ग्रुप बी से गिल का सर्वश्रेष्ठ प्रयास पहला ही था, जिसमें उन्होंने 19.95 मीटर का थ्रो फेंका। दूसरा थ्रो 19.75 मीटर और तीसरा फाउल रहा। वह 15 खिलाड़ियों में कुल पांचवें स्थान पर रहे। ग्रुप ए में सात और बी में आठ प्रतियोगी थे। 20 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले या सर्वश्रेष्ठ 12 को बृहस्पतिवार को होने वाले फाइनल में जगह मिली। न्यूजीलैंड के टॉम वाल्श ने 21.03 का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया।

हरजिंदर कौर ने 227 किग्रा भार उठाकर जीता सिल्वर मेडल

ग्लासगो में जारी कॉमनवेल्थ गेम्स महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने धमाल मचा दिया। महिलाओं की 69 किग्रा वेट कैटेगरी में हरजिंदर ने कुल 227 किग्रा भार उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया। हरजिंदर कौर ने 69 किग्रा भार कैटेगरी के स्नैच के पहले प्रयास में 98 किग्रा उठाया, उसके बाद दूसरे प्रयास में 99 और तीसरे प्रयास में 101 किग्रा का वजन उठाया। उनके तीनों ही प्रयास सफल रहे। इसके बाद क्लीन एंड जर्क के तीन प्रयासों में 120, 123 और 126 किग्रा भार उठाया। इस तरह स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क में 126 किग्रा उठाने के साथ कुल 227 किग्रा वजन के दम पर हरजिंदर ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

टॉप 50 बल्लेबाजों में वैभव की एंट्री शुभमन फिर बने नंबर 1 बल्लेबाज

टी20 में सूर्यवंशी ने लगाई 230 पायदान की लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए जबकि वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 230 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मिचेल इस साल जनवरी से शीर्ष स्थान पर काबिज थे।

बिश्नोई को फायदा, शीर्ष 10 में वरुण

लेग स्पिनर रवि बिश्नोई टी20 में गेंदबाजों की सूची में 31 पायदान ऊपर 41वें स्थान पर पहुंच गए, लेकिन चोटिल होने के कारण जिंबॉब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए लेकिन वह शीर्ष 10 में बने हुए हैं।

टी20 में टॉप पर काबिज ईशान

सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अपने इस शानदार प्रदर्शन से यह 15 वर्षीय बल्लेबाज शीर्ष 50 में जगह बनाने में सफल रहा। सूर्यवंशी के 536 रेटिंग अंक हैं। ईशान किशन टी20 में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके 910 रेटिंग अंक हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (848) पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। इस बीच तिलक वर्मा दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर, जबकि टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सात पायदान ऊपर 24वें स्थान पर आ गए।

मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीः मनु

नई दिल्ली। मनु भाकर ने कहा कि हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर उनकी भावनाएं मिली जुली है और वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। भाकर अभी भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की तलाश में हैं। भाकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही, मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी।'मनु ने कहा, ' मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है।

स्क्वाश चैंपियनशिपः क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया

ओंटारियो। भारतीय पुरुष और महिला टीमें क्रमशः कुवैत और दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। जहां भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी, वहीं महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से आसानी से हराया।

न्यायालय तहसीलदार लैलूंगा, जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 1045/क/ वाचक/2026 लैलूंगा दिनांक 2026

रा.प्र.क्र. 20260504100039/अ-19(3)/2026 साकिन-लारीपानी

ईश्तहार (समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु)

एतद् द्वारा सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के राजस्व प्रकरण / 20260504100039/अ-19(3)/2026 में आवेदक भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र मय सहपत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके विभाग को दूरभाष मोबाईल टॉवर स्थापित करने तथा भवन निर्माण किये जाने हेतु ग्राम लारीपानी प.ह.न. 15 तहसील लैलूंगा स्थित भूमि खसरा नं. 137 से रकबा 0.120 हे. आवदेक विभाग को पूर्व में आबंटित किया गया है तथा आधिपत्य में दी गई है। किन्तु आवेदक विभाग का नाम राजस्व अभिलेख में उल्लेख नहीं है। उक्त ख.नं. 137 से रकबा 0.120 हे. भूमि के संबंध में विभाग का नाम राजस्व अभिलेख में आवेदक विभाग का नाम दर्ज किये जाने हेतु कलेक्टर रायगढ़ में आवेदन किया है।

उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई उजर/आपत्ति हो तो यह स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.07.026 के पूर्व प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं होगा।

आज दिनांक 17.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार लैलूंगा

केन्द्रीय विद्यालय अमरकंटक

अंशकालीन संविदा (Part-time Contractual) शिक्षकों के पेनल तैयार करने हेतु साक्षात्कार

केन्द्रीय विद्यालय अमरकंटक में सत्र 2026-27 के लिये पूर्णतः संविदात्मक (Purely Contractual basis) आधार पर शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं सलाहकार की नियुक्ति हेतु पेनल तैयार किया जाना है, जिसमें नियमित शिक्षक की अनुपस्थिति या पद रिक्त होने की स्थिति में आवश्यकतानुसार उपयोग में लिया जायेगा। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी पद के सम्मुख अंकित दिनांक को विद्यालय में प्रातः 8.30 बजे से 09.30 बजे तक रजिस्ट्रेशन करवाकर साक्षात्कार में उपस्थित हो सकते है विवरण निम्नलिखित है :-

क्रं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि
1	पी.जी.टी. - अर्थशास्त्र, रसायन विज्ञान	05 अगस्त 2026
2	टी.जी.टी. संस्कृत शैक्षिक परामर्शदाता.	

विस्तृत विवरण एवं आवेदन फार्म विद्यालय की वेबसाईट (www.https://amarkantak.kvs.ac.in) पर उपलब्ध है। निर्धारित योग्यता पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र एवं समस्त दस्तावेजों की मूल प्रति व स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ साक्षात्कार दिवस पर उपस्थित हो सकते हैं। अभ्यर्थी को साक्षात्कार में सम्मिलित होने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा / दैनिक भत्ता देय नहीं होगा। अभ्यार्थियों की संख्या अधिक होने की स्थिति में लिखित परीक्षा सम्भावित है जिसमें मूल गणित एवं तर्क, सामान्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञानं, कंप्यूटर विज्ञानं एवं भाषा दक्षता के प्रश्न सम्मिलित होंगे जो M.C.O प्रकार की होगी।

प्राचार्य
(रतन कुमार)
केन्द्रीय विद्यालय अमरकंटक

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग
सिंचाई कालोनी, शांति नगर, रायपुर-492001
वेब साईट www.cserc.gov.in ई-मेलः cserc.sec@cg.nic.in फोन नं. 0771-4073555

जन-सुनवाई हेतु सूचना

मेसर्स जिन्दल स्टील लि. (जेएसएल-टी) द्वारा अपने लाइसेन्स ट्रान्समिशन बिजनस हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 से वित्तीय वर्ष 2029-30 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता का निर्धारण, वर्ष 2026-27 हेतु ट्रान्समिशन टैरिफ, वित्तीय वर्ष 2025-26 का संशोधित अनुमान तथा वर्ष 2024-25 के ट्रू-अप हेतु विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 61, 62, 86(1)(a) के अंतर्गत आयोग के समक्ष याचिका दायर की है। यह याचिका, याचिका क्र. 17/2026 के रूप में पंजीकृत की गई है। उक्त याचिका पर आपत्ति/सुझाव हेतु दिनांक 07/03/2026 के समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित की गई थी।

उक्त याचिका एवं जेएसएल-टी द्वारा प्रस्तुत अन्य अतिरिक्त जानकारी आयोग की वेबसाईट www.cserc.gov.in पर उपलब्ध है। आयोग द्वारा उक्त याचिका पर दिनांक 04/08/2026 को अपरान्ह 03:30 बजे आयोग के कोर्ट रूम में जन-सुनवाई नियत की गई है।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं

सचिव

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR

2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.

NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993.

RC/220/2025 20.07.2026

STATE BANK OF INDIA
Versus
SIYA TRADERS SINGH

To,
(CD1) SIYA TRADERS SINGH MAIN ROAD, JAINAGAR BISHRAMPUR, DISTRICT-SURAJPUR, CG-497226
(CD2) ANANT KUMAR SINGH MAIN ROAD, JAINAGAR BISHRAMPUR, DISTRICT-SURAJPUR, CG-497226
(CD3) AJAY KUMAR SINGH WARD NO. 1, BAJARPARA JAINAGAR, BISHRAMPUR, CG-497226
(CD4) SANJAY KUMAR SINGH WARD NO. 1, BAJARPARA, JAINAGAR, BISHRAMPUR, DISTRICT- SURAJPUR, CG-497226

Whereas you the was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated **11/09/2025** in **OA/844/2023** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs. 4088148 (Rupees Forty Lakhs Eighty Eight Thousands One Hundred Forty Eight Only)** along with pendentellite and future interest @ 11.95% w.e.f. **19/07/2023** till realization and costs of **Rs. 43000 (Rupees Forty Three Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable/ Immoveable property.

2. You are hereby informed that the **04/09/2026** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.

Specification of property

The immovable property, i.e., Khasra No.-33/2, Village Jainagar. Bishrampur, District-Surajpur (C.G.), area 1000 sq.mtr., Property in the name of Shri Ajay Singh S/o Late Shri R.N. Singh.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **20/07/2026.**

SEAL

Sd/-
Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

वेस्टइंडीज ने पहला टेस्ट किया अपने नाम, पाकिस्तान को हराया

एजेंसी ▶▶| तारौबा

जाडेन सील्स के 5 विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 90 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

पहली पारी में 311 रन बनाने वाली वेस्टइंडीज की टीम ने अपनी दूसरी पारी में 181 रन बनाकर पाकिस्तान के सामने 211 रन का लक्ष्य रखा लेकिन उसकी टीम केवल 120 रन पर आउट हो गई। पाकिस्तान में पहली पारी में 282 रन बनाए थे। पाकिस्तान की दूसरी पारी में केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे, जिनमें कप्तान बाबर आजम ने नाबाद 58 रन बनाए। पाकिस्तान का स्कोर एक समय 9 विकेट पर 79 रन था। बाबर ने इसके बाद 11वें नंबर के बल्लेबाज मोहम्मद अब्बास (23) के साथ आखिरी विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ।

MUNICIPAL CORPORATION, AMBIKAPUR DISTRICT SURGUJA (C.G.)

No.1838/AMC/SWM/2026 Ambikapur Date 28.7.2026

REQUEST FOR PROPOSAL 2nd Call

Municipal Corporation Ambikapur invites request for proposals on the prescribed format from reputed eligible firms/companies/consortiums for Design, Development, Supply, Installation, Testing, Commissioning. Training, Operation & Maintenance of an Integrated Digital Solid Waste Management Monitoring System service for Solid and Liquid Resource Management. Details or available in a docket available from office the Municipal corporation, Ambikapur on a payment of Rs. 5000.00 it can also be downloaded from the website https://uad.cg.gov.in the proposal must be submitted by speed post in the prescribed Manner in the office of the Commissioner Municipal Corporation, Ambikapur on or before 5.00 PM on 13/08/2026.

NOTE: Bidders are requested to note that this RFP and the process are being floated on the website to economize on time and are subject to approval. Bidders are requested to visit website all the amendment will be published only in the website https://uad.cg.gov.in

Commissioner
Municipal Corporation
Ambikapur

SBI भारतीय स्टेट बैंक तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
ब्लॉक बी-1, पुजारी चेंबर, पचपेड़ी नाका, रायपुर, फोन- 9407685755, 7049119901

नियम 8(1) कब्जा संबंधी नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **भारतीय स्टेट बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ता को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे दर्शायी गयी है, उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर उसमे उल्लिखेत राशी और उस पर लगने वाले ब्याज अदा करने जारी किया गया। उधारकर्ता द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतदद्वारा उधारकर्ता/जमानतदार को एवं जनसामान्य को सामान्य रूप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त् अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता/जमानतदार और जनसामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबधित कोई लेन देन नहीं करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि और उस पर लगने वाले ब्याज एवं अन्य प्रभार के लिये भारतीय स्टेट बैंक की संबधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगा (मांग नोटिस दिनांक के बाद जमा की गई राशि, यदि कोई हो, को समायोजित करके)। ***उधारकर्ता का ध्यान प्रतिभूत परिसंपत्तियों के मोचन (redeem) कराने के संबंध में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।***

क्र.	उधारकर्ता का नाम	मांग सूचना / कब्जे की तिथि	बकाया राशि	अचल संपत्ति का विवरण
1.	उधारकर्ता- **फ़िरोज़ा बेगम उर्फ़ फ़िरोज़ा खानम** पति मो. अब्दुल जहीर खान, **मो. जहीर खान** पिता मो. अब्दुल सलाम खान एवं **मो. कफिल खान** पिता मो. अब्दुल जहीर खान	02.12.2025 / 24.07.2026	**रू. 32,98,048.03** दि. 02.12.25 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 03.12.25 से प्रभावी	संपत्ति का स्वामित्व : फ़िरोज़ा बेगम उर्फ़ फ़िरोज़ा खानम पति मोहम्मद अब्दुल जहीर खान ।संपत्ति का समस्त भू-भाग भूमि एवं भवन स्थित मकान नंबर 214, खसरा नं. 161/31, प.ह नं. 35, गायत्री नगर वार्ड, वार्ड नं. 11, रविदास मंदिर के पास, मौजा तालापारा, ब्लॉक - बिल्हा, तहसील एवं जिला- बिलासपुर, (छ.ग.), क्षेत्रफल- 1216 वर्गफुट और उस पर निर्माण. (पंजीकृत वसीयत दिनांक 08.06.2010, पुस्तक क्रमांक एटीआई 3, ग्रंथ क्रमांक 147, पृष्ठ क्रमांक 44 से 50 तक, संख्या क्रमांक 63, उप-रजिस्ट्रार बिलासपुर (छ.ग.) के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएं (टाइटल डीड के अनुसार):- उत्तर- रेवती बाई का प्लॉट, दक्षिण: सड़क, पूर्व- फिया मिया का मकान, पश्चिम- छोटे मिया का मकान।
2.	उधारकर्ता- **मेसर्स दिवाकर ट्रैक्टर्स**, पार्टनर्स- **श्री अरुण कुमार दिवाकर** पिता श्री भरत लाल दिवाकर, **श्रीमती कांति बाई दिवाकर** पति श्री भरत लाल दिवाकर	29.09.2025 / 24.07.2026	**रू. 74,37,403.00** दि. 28.09.25 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 29.09.25 से प्रभावी	संपत्ति का समस्त भू-भाग परिवर्तित भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर 270/1 का भाग, भूखंड क्रमांक 24, शीट नंबर 4, मौजा व ग्राम- तखतपुर, प.ह नंबर 28, वार्ड नंबर-2, महाराणा प्रताप वार्ड, आरएनएम एवं तहसील-तखतपुर, ज़िला- बिलासपुर (छत्तीसगढ़),कुल क्षेत्रफल- 1373 वर्ग फुट या 127.602 वर्ग मीटर, मालिकाना हक- श्री अरुण कुमार दिवाकर पिता श्री भरत लाल दिवाकर। (सेल डीड दिनांक 08.02.2024, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 2755, पृष्ठ क्रमांक 357-375, दस्तावेज़ क्रमांक - CG-2023-24-119-1-1791, उप-रजिस्ट्रार कार्यालय तखतपुर (छ.ग) के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएं (सेल डीड दिनांक 08.02.2024 के अनुसार) :- उत्तर: निस्तारी रोड, दक्षिण: विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व: निस्तारी रोड, पश्चिम: श्री सतीश श्रीवास की भूमि।

यह सूचना अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित की जा रही है। व्याख्या के किसी भी मामले में अंग्रेजी संस्करण अंतिम होगा।

दिनांक: 24.07.2026, स्थान- बिलासपुर — प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक, सार्बं, रायपुर

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

किसी प्रदेश की पहचान उसकी संस्कृति से होती है, और संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत होती है उसकी लोकगाथाएं। छत्तीसगढ़ की ऐसी ही अमूल्य लोक विरासत है भरथरी, जिसे अपनी बुलंद और भावपूर्ण आवाज़ से दुनिया के मंचों तक पहुंचाने वाली लोकगायिका थीं सुरुजबाई खांडे। संघर्षों से भरे जीवन के बावजूद उन्होंने लोक परंपरा को कभी टूटने नहीं दिया। उनकी गायकी में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक, लोकजीवन की संवेदना और सदियों पुरानी सांस्कृतिक धरोहर की गूंज सुनाई देती है। 'विरासत' में आज जानिए उस लोक साधिका की कहानी, जिन्होंने भरथरी लोकगाथा को केवल जीवित ही नहीं रखा, बल्कि उसे विश्व पटल पर छत्तीसगढ़ की पहचान बना दिया।

भरथरी की अमर आवाज सुरुजबाई खांडे

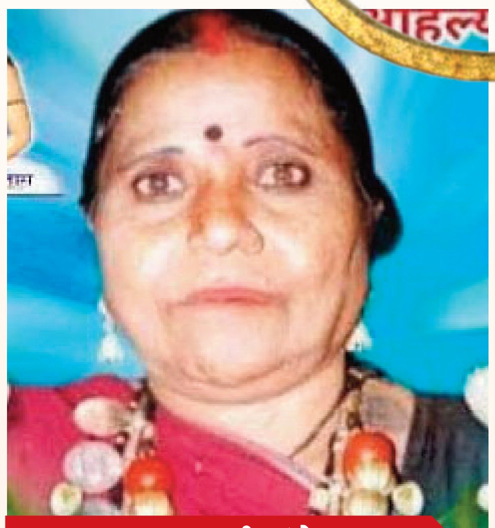

सुरुजबाई खांडे

माता रेवती और पिता घसियाराम के घर जन्म

सुरुजबाई का जन्म 12 जून 1949 को बिलासपुर जिले के ग्राम पौंसरी (हिर्री) में माता रेवतीबाई तथा पिता घसियाराम धृतलहरे के घर हुआ। वे परिवार की सबसे छोटी संतान थीं। सुरुज बाई ने स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन अपने परिवार से मिली व्यवहारिक शिक्षा और कला में दक्ष थीं। सुरुज बाई बचपन से कुशाग्र बुध्दि की थी, अपने भाई से भी कहीं ज्यादा नटखट एवं चंचल स्वभाव की थीं । यही चंचलता उन्हें सात साल के उम्र से ही भरथरी गायन में महारत करती जा रही थी।

बचपन से ही नाना से सीखा भरथरी गायन

अपने भरथरी गायन बचपन से ही नाना रामसाय जी से सीखा, इसी दौरान उन्होंने लोकधुनों, रागों, कथानक और प्रस्तुति की बारीकियों को आत्मसात किया। आगे चलकर उन्होंने ढोला-मारू, चंदैनी तथा आल्हा-ऊदल जैसी अन्य लोकगाथाओं का भी सफल गायन किया, किंतु भरथरी उनकी विशिष्ट पहचान बन गई। अपने नानाजी को लेकर सुरुजबाई एक जगह साक्षात्कार में बताती है कि नाना जी चिकारा लेकर गाते थे तो मैं बगल में बैठकर सूनती थी और उनके साथ मैं भी बैठकर गाने लगती थी।

जितनी ज्यादा पब्लिक उतना गाने में आनंद

अपनी गायकी के बारे में सुरुजबाई ने एक जगह साक्षात्कार में कहा है कि कार्यक्रम में पब्लिक जितनी ज्यादा रहती है वहां गाने में उतना मजा आता है। मैं रुस, फ्रांस, जापान गई लेकिन छत्तीसगढ़ जैसा कही नहीं है। लेकिन अपने छत्तीसगढ़ के गांवों की बात ही अलग है। सुरुजबाई केवल मंच पर ही कलाकार नहीं थीं, बल्कि उनका संपूर्ण जीवन छत्तीसगढ़ी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता था। वे पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों- पुतरी, बहुँटा, नागमोरी, करधन, चूड़ी, बिछिया और तोड़ा-पैरी से सुसज्जित रहती थीं। उनका व्यक्तित्व स्वयं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक था।

वर्ष 1999 में भिलाई इस्पात संयंत्र के एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान सुरुज बाई खांडे के साथ नन्ही भरथरी गायिका वंदना वर्मा।

भरथरी से छत्तीसगढ़ी संस्कृति का प्रचार

भरथरी प्रस्तुत करने में सुरुज बाई के सहयोगी साथी हारमोनियम, तबला, बेंजो, बांसुरी, मंजीरा और खंजरी का प्रयोग करते थे। इस दौरान वेषभूषा और आभूषणों का पूरा ध्यान रखा जाता था। सुरुज बाई छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध इलियास साड़ी ही पहनती थी वे इसके साथ आभूषण उपयोग करती थीं जिसमें पुतरी,बहुंटा, नागमोरी, चुरी, करधन, बिछिया, तोड़ा, पैरी, रूपिया, ऐंठी, सूर्रा, ककनी, नथनी, झुमका, बाली प्रमुख हैं जो छत्तीसगढ़ के और भारतीय संस्कृति की अलग पहचान बनाती है। सुरुजबाई के सहयोगी कलाकारों में उनके पति भी लखनलाल भी शामिल हुआ करते थे, जो मंजीरा, घुँघरू, नृत्य करना और मुख्य रागी का काम करते थे। इसके अलावा टीम में हारमोनियम पर शिवनंदन खरे और माखन साहू रहा करते थे। तबला वादक के तौर पर हरप्रसाद रात्रे और रामहरि साहू और बांसुरी वादक के रुप में राजू रात्रे, जवाहर बघेल और उमेश सिहोते की मौजूदगी होती थी। सुरुजबाई ने गुरु घासीदास जी के सतनाम उपदेशों का समावेश सरल सहज शैली में गायन किया था जिससे लोग अभिभूत हो उठते थे। सुरुजबाई खांडे ने भरथरी को केवल पारंपरिक शैली में नहीं गाया, बल्कि उसकी प्रस्तुति को अधिक प्रभावशाली और मंचीय स्वरूप प्रदान किया।

लखनलाल से विवाह, हर सुख दुख में सहभागी

युवावस्था में सुरुजबाई की शादी ग्राम कछार बिलासपुर में लखन लाल खाण्डे जी से हो गई। शादी के बाद सुरुजबाई का पहला कार्यक्रम रतनपुर में दिया इसके बाद अगला कार्यक्रम पीथमपुर में दिया, ससुराल वाले नहीं चाहते थे कि वे भरथरी के कार्यक्रम दें लेकिन इन हालात में पति ने कभी साथ नहीं छोड़ा गायकी के क्षेत्र में जो भी कुछ भी सुरुजबाई ने नाम कमाया है इसके पीछे पति लखनलाल के समर्थन ने बड़ी भूमिका निभाई। इस विवाह ने एक अद्भुत संयोग को साधा और एक कलाकार को कलाकार जीवन साथी मिला दिया जिससे सुरुज बाई के कलाकार मन को अच्छा प्रोत्साहन मिला। एक कलाकार की कला का सच्चा सम्मान कलाकार साथी ही कर सकता है तथा कला के क्षेत्र में आगे

बढ़ने में सहयोग भी। लखन लाल खाण्डे भी लोक गीत एवं पंथी नृत्य में पारंगत थे । सुरुज बाई ने लखन लाल खाण्डे जी को भरथरी,ढ़ोला मारू,चंदैनी,आल्हा उदल सीखाकर अपने गायन विधा को प्रचारित करने का काम किया। सुरुज बाई और लखन लाल खाण्डे दोनों भरथरी गायन के रियाज़ किया करते थे। कुछ ही दिनों में पार्टी बनाकर अपने आस पास के गुड़ी-चौपालों में भरथरी गायन पूरी साज के साथ प्रस्तुत करने लगे ।शादी के बाद जीवन ने उन्हें अनेक कठिन परीक्षाओं से गुज़रना पड़ा। आर्थिक अभाव और मजदूरी की विवशता ने उन्हें झकझोर दिया, किंतु उन्होंने लोकसंगीत की साधना कभी नहीं छोड़ी. सुरुज बाई अपने पति लखनलाल के साथ जीवन यापन के लिए बिलासपुर का मालधक्का में मजदूरी करते थे जहां वे नमक,गेहूं,आलू,प्याज की बोरियां और तेल का टीन उठाते और ठेला भी चलाते थे... थकहार कर जब शाम को घर पहुंचते तब खाना पकाते पति के साथ भरथरी और अन्य लोक गीतों का अभ्यास करती थीं । अपने अभ्यास में आलाप भरतीं तो लोग इसे सुनकर परेशान होकर उन्हें पगली कहा करते थे। पगली कहने वालों को बिल्कुल पता नही था कि यही पगली एक दिन छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूरे विश्व में करुण रस की रानी,मेलोडी क्वीन सुरुज बाई खांडे के नाम से प्रसिध्द होगी।

भरथरी के बारे में जानिए

राजा भर्तृहरि का उल्लेख भारतीय लोकपरंपरा, नाथ साहित्य तथा अनेक दंतकथाओं में मिलता है। उन्हें प्राय: उज्जयिनी के राजा तथा विक्रमादित्य के बड़े भाई के रूप में स्मरण किया जाता है। यद्यपि इतिहास और लोककथा में भिन्न-भिन्न मत मिलते हैं, किंतु लोकमानस ने उन्हें त्याग, वैराग्य और आत्मबोध के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया है।

छत्तीसगढ़ में भरथरी का आगमन

लोकविदों के अनुसार भरथरी की कथा नाथपंथी जोगियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ पहुँची। यात्रा करते हुए जोगी गाँव-गाँव इस गाथा का गायन करते थे। समय के साथ यह कथा स्थानीय लोकभाषा, लोकविश्वास और सांस्कृतिक परिवेश से जुड़कर छत्तीसगढ़ की अपनी लोकगाथा बन गई। यही कारण है कि आज इसे किसी जाति विशेष का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण लोकसमाज का गीत माना जाता है।

भरथरी गायन के नौ प्रमुख खंड

छत्तीसगढ़ी परंपरा में भरथरी की गाथा प्रायः नौ खंडों में प्रस्तुत की जाती है। विभिन्न गायकों के क्रम में थोड़ा अंतर हो सकता है, किंतु सामान्यतः इनमें निम्न प्रसंग सम्मिलित रहते हैं।

1. राजा भर्तृहरि का जन्म।
2. बाल्यकाल और शिक्षा।
3. विवाह तथा रानी पिंगला का आगमन।
4. राजवैभव और शासन।
5. हिरण अथवा अमरफल से जुड़ा निर्णायक प्रसंग (परंपरा के अनुसार भिन्न रूप)।
6. रानी पिंगला और मोहभंग।
7. गुरु गोरखनाथ से भेंट।
8. राजत्याग, योग और वैराग्य।
9. योगी भरथरी का लोककल्याण और उपदेश।

भरथरी गायन की संगीतात्मक विशेषताएं

भरथरी का गायन करुण और शांत रस का अद्भुत संगम है। एकतारा, सारंगी, ढोलक, मंजीरा और हारमोनियम के साथ कलाकार कथा, संवाद और गीत का समन्वित प्रस्तुतीकरण करते हैं। प्रारंभिक परंपरा में इसे अकेले जोगी द्वारा खंजरी या एकतारे के साथ गाया जाता था; बाद में समूह प्रस्तुति और अन्य वाद्य भी जुड़े।

सुरुज की प्रतिभा को मिला सम्मान

साहित्यिक और दार्शनिक महत्व

भरथरी गीत में नीति, प्रेम, विरक्ति, भक्ति और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय मिलता है। यह लोकमहाकाव्य मनुष्य को यह संदेश देता है कि सत्ता, संपत्ति और सौंदर्य क्षणभंगुर हैं; शाश्वत केवल सत्य, साधना और आत्मज्ञान है। यही इसकी कालजयी प्रासंगिकता है। भरथरी गीत छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना का अमूल्य प्रतीक है। यह लोकजीवन की स्मृतियों, नाथ परंपरा की आध्यात्मिक साधना और भारतीय दर्शन की गहराई को एक सूत्र में पिरोता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस लोकधरोहर का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण हो, युवा पीढ़ी को इससे जोड़ा जाए और लोककलाकारों को वह सम्मान मिले जिसके वे वास्तविक अधिकारी हैं। तभी भरथरी की यह अमर स्वरधारा आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहेगी।

यूनिवर्सिटी में आखिरी प्रस्तुति, हार्ट अटैक से निधन

8 दिसम्बर 2017 के दिन गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर में सुरुज बाई खाण्डे जी को गुरु घासीदास जी जयंती पर आमंत्रित किया गया था । केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आखिरी बार मंच पर बिना साज के ही सुरुज बाई ने भरथरी को एकल रूप से प्रस्तुत किया और लोगों का मन मोह लिया... पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा... तब यहां बैठे लोग तथा देश में किसी को यह अंदेशा नहीं था कि सुरुज बाई 69 वर्ष की आयु में 10 मार्च 2018 को हम सबको छोड़कर हमेशा के लिये अस्त हो जायेंगी । पहले हुई सड़क दुर्घटना की वजह से सुरुज बाई कमजोर होती चली जा रहीं थी और हृदयाघात होने से वो इस नश्वर संसार को छोड़कर चली गई...आज उनके पति श्री लखन खांडे तथा उनकी बहन सोहारा बाई खांडे उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सुरुजबाई खांडे ने सिद्ध किया कि सच्चा कलाकार पुरस्कारों से नहीं, अपनी साधना से अमर होता है। उन्होंने भरथरी को जीवन दिया, पहचान दी और विश्व मंच तक पहुंचाया। उनका स्वर आज भले मौन हो गया हो, किंतु उनकी गाई हुई भरथरी आज भी छत्तीसगढ़ की मिट्टी में गूँजती है

तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के साथ सुरुजबाई खांडे।

सुरुज के सुरता और सुरुज उत्सव

सुरुजबाई की स्मृति में सामाजिक कार्यकर्ता दीप्ति ओंधरे का सुरुज ट्रस्ट साल भर में विभिन्न मौकों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाता है। 10 मार्च को स्मृति दिवस पर सुरुज के सुरता के नाम से कार्यक्रम होते हैं इसके अलावा 12 जून को जयंती पर सुरुज उत्सव का आयोजन किया जाता है..दीप्ति ने बताया कि वे कभी सुरुजबाई से उनके जीवनकाल में मिल नहीं पाई लेकिन उनकी जिंदगी और कला यात्रा से प्रभावित होकर सुरुज ट्रस्ट बनाकर सामाजिक कार्यों का संकल्प ले लिया। पिछले कई सालों से दीप्ति अपने सुरुज ट्रस्ट के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रही है।

भरथरी गायन अत्यंत मार्मिक और प्रभावशाली

सुरुज बाई ने देश-विदेश में अपनी प्रस्तुतियों से छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को नई पहचान दिलाई। विशेष रूप से राजा भरथरी और रानी पिंगला के प्रसंगों का उनका गायन अत्यंत मार्मिक और प्रभावशाली होता था। 1970 के दशक में उनसे मेरी मुलाकात हुई। आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से वे लोकगाथा की सशक्त पहचान बनीं।

-डॉ. विनय पाठक, वरिष्ठ साहित्यकार, बिलासपुर

भरथरी को देश-विदेश में पहचान दिलाई

छत्तीसगढ़ की लोकगीत एवं लोकगाथा परंपरा में सुरुज बाई खांडे का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने अपनी विशिष्ट गायन शैली से भरथरी लोकगाथा को देश-विदेश में पहचान दिलाई। लोककला के संरक्षण और संवर्धन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

-डॉ. विवेक तिवारी जिला समन्वयक छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग बिलासपुर

inh न्यूज़ — गुरुवार रात 7.55 बजे

भरथरी लोकगाथा को 18 देशों तक पहुंचाया

सुरुज बाई खांड़े ने भरथरी लोकगाथा को देश ही नहीं, 18 देशों तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति का गौरव बढ़ाया। वे छत्तीसगढ़ की स्वरकोकिला के रूप में विख्यात थीं। संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने अपने नाना से सीखी भरथरी गायन परंपरा को विश्व पटल तक पहुंचाया।

-तोखन साहू, केंद्रीय राज्यमंत्री

उनके कार्यक्रम को निकट से देखने का मौका मिला

स्वर्गीय सुरुज बाई खांड़े छत्तीसगढ़ की लोककला जगत की अप्रतिम लोकगायिका थीं। उनके कार्यक्रमों को निकट से देखने का अवसर मिला, जहां उनकी कला सीधे श्रोताओं के हृदय तक पहुंचती थी। वे लोकगाथाओं को बिना किसी कॉपी या डायरी के सहजता से कंठस्थ गाती थीं।

-टंकराम वर्मा, उच्च शिक्षा मंत्री (छग)

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई

बिलासपुर में जन्मी और पली-बढ़ी सुरुज बाई खांड़े ने अपनी लोकगायन प्रतिभा से छत्तीसगढ़ का नाम देश-विदेश में गौरवान्वित किया। भरथरी लोकगाथा की उनकी अनूठी प्रस्तुति ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाई।

-अमर अग्रवाल, वरिष्ठ विधायक,पूर्व मंत्री

आवाज में छत्तीसगढ़िया महक और लोकजीवन की आत्मा थी

छत्तीसगढ़ में जैसे पंडवानी की पहचान तीजन बाई हैं, वैसे ही भरथरी लोकगाथा का पर्याय स्वर्गीय सुरुज बाई खांड़े थीं। उनकी सुमधुर आवाज में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की महक और लोकजीवन की आत्मा झलकती थी। सरल और सहज स्वभाव की धनी थी सुरुज बाई खांडे।

-अनुज शर्मा, धरसींवा विधायक

भरथरी लोकगाथा को नई पहचान दिलाई

लोकगीत एवं लोककथा परंपरा में सुरुज बाई खांड़े का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। बिलासपुर में जन्मीं सुरुज बाई ने अपनी सशक्त गायन शैली से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि देश-विदेश में भी भरथरी लोकगाथा को नई पहचान दिलाई। उन्होंने लोककला के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

-भावना बोहरा, पंडरिया विधायक

सुरुज बाई लोककला की अमूल्य धरोहर

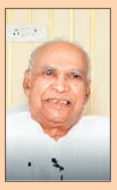

छत्तीसगढ़ी लोक गाथाओं पर शोध के दौरान स्वर्गीय सुरुज बाई खांड़े से मिलने का सौभाग्य मिला। 1980 के दशक में रिंगनी के लोकगाथा आयोजन में सुरुज बाई से पहली भेंट हुई। बिना औपचारिक शिक्षा के उन्होंने भरथरी जैसी लंबी लोकगाथाओं को कंठस्थ कर जीवंत रखा। वे लोककला की अमूल्य धरोहर थीं।

-डॉ. विजय कुमार सिन्हा, वरिष्ठ साहित्यकार

भरथरी- पिंगला की कथा को अनूठी शैली में प्रस्तुत किया

मेरा सौभाग्य रहा कि मैं SECL में सुरुज बाई खांड़े के साथ कार्यरत रहा। वे छत्तीसगढ़ की लोकगायन परंपरा की अप्रतिम कलाकार थीं। राजा भरथरी–पिंगला की कथा को उन्होंने अपनी अनूठी शैली से देश-विदेश तक पहुँचाया और रूस सहित 18 देशों में छत्तीसगढ़ की संस्कृति का गौरव बढ़ाया।

-डॉ. राघवेंद्र दुबे, अध्यक्ष प्रयास प्रकाशन साहित्य समिति बिलासपुर

सरल, सहज और स्नेहपूर्ण महिला थीं

सुरुज बाई की आवाज और उनकी विशिष्ट गायन शैली का अनुकरण करना लगभग असंभव था। उनका स्वभाव अत्यंत सरल, सहज और स्नेहपूर्ण था। वे भरथरी लोकगाथा की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाना चाहती थीं। उन्होंने मुझे अपनी शिष्या के रूप में स्वीकार कर भरथरी गायन का प्रशिक्षण दिया।

-वंदना वर्मा, शिष्या, भरथरी गायिका, भिलाई

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :